MUMBAI TARANG

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-03 ❖ अंक-29 ❖ मुंबई ❖ रविवार 10 से 16 जुलाई 2022 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

मुंबई तरंग

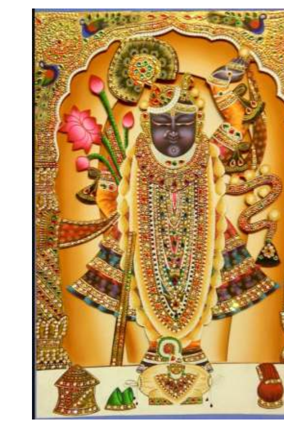

www.mumbaitarang.com

पेज 3 मस्जिद बंदर के पास दीवार रेलवे की पटरी पर गिरी

पेज 5 ओडिशा की यात्रा पर आज आएंगी द्रौपदी मुर्मू, सीएम नवीन पटनायक से मांगेंगी समर्थन

पेज 7 रश्मिका मंदाना को पहली फिल्म के लिए मिला था डेढ़ लाख का चेक

पेज 8 हाईकोर्ट पहुंची कंगना रनोट

एक नजर

आईएमए-आयुष के डा. छावनिया बने अध्यक्ष

नई दिल्ली । इंटीग्रेटेड मेडीकल एसोसिएशन (आईएमए-आयुष) का गांधी शांति प्रतिष्ठान, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग पर प्रतिनिधि सदस्य सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर संस्था से जुड़े विभिन्न डॉक्टरों को सम्मान धनवंतरी कलश एवं पुष्पमाला से किया गया। कोरोना काल में दो तीन साल से लंबित संस्था के पदाधिकारियों का चुनाव भी आज सर्वसम्मति से सम्पन्न हुआ। जिसमें संस्था के सभी सदस्यों ने एकमत से 2025 तक के लिए डा. नरेश छावनिया को अध्यक्ष, डा. रमन खन्ना को महासचिव व डा. राकेश शर्मा को कोषाध्यक्ष सर्व सम्मति से चुना गया। संस्था के संरक्षक डा. आरएस चौहान एवं डा. ओपी वशिष्ठ ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

यूनानी पैथी के उत्थान में सभी की जिम्मेदारी जरूरी : डॉ. खान

नई दिल्ली । सफदरजंग अस्पताल से सेवानिवृत्त हुए यूनानी पैथी के चिकित्सक डॉ. सैयद अहमद खान के सम्मान में जामिया नगर में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक सेंट्रल काउंसिल ऑफ इंडियन मेडिसिन के पूर्व अध्यक्ष डॉ. राशिद उल्लाह खां थे। इस अवसर पर उन्होंने अपने विचार रखते हुए कहा कि यूनानी पैथी का उत्थान और विकास हम सबकी जिम्मेदारी है। डॉ. सैयद अहमद खान ने कहा कि उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, असम और पश्चिम बंगाल में यूनानी पैथी की दयनीय स्थिति है। इस अवसर पर डॉ. राहत रजा, डॉ. नसीम अहमद, डॉ. खुर्शीद अहमद अंसारी, डॉ. जकी अहमद, डॉ. नाजिश एहतेशाम, डॉ. फजील, प्रोफेसर वसीम अहमद, डॉ. डीके चिश्ती, डॉ. अरशद जहरी, हकीम शौकीन अल्वी और लोजपा नेता कुंवर असीम खां आदि मौजूद रहे।

देशी शराब आपूर्तिकर्ताओं के लाइसेंस की अवधि बढ़ी

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में देसी शराब की आपूर्ति करने वालों के लाइसेंस की अवधि एक महीने के लिए बढ़ा दी है। एक आधिकारिक अधिसूचना में इसकी जानकारी दी गई है। इस विस्तार के लिए लाइसेंस धारकों को एक महीने के लिए शुल्क का भुगतान करना होगा। दिल्ली कैबिनेट ने आबकारी नीति 2022-23 को पांच मई को मंजूरी दी थी। इसे अभी उपराज्यपाल से मंजूरी नहीं मिली है। आबकारी विभाग की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि देसी शराब की आपूर्ति के संबंध में लाइसेंस की अवधि में एक महीने का विस्तार दिया जाता है जो एक जुलाई से 31 जुलाई 2022 तक के लिए होगा। इससे पहले भी लाइसेंस धारकों को दो

मुंबई में 10 प्रतिशत पानी कटौती रद्द, बीएमसी जलाशयों में जमा हुआ पर्याप्त पानी

मुंबई: मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने मुंबई और ठाणे जिले के लिए की गई 10 प्रतिशत पानी कटौती को रद्द कर दिया है। जलाशय क्षेत्रों में अच्छी बरसात होने के कारण बीएमसी ने पानी कटौती को वापस लेने का निर्णय किया है। गुरुवार को बीजेपी के पूर्व नगरसेवकों का प्रतिनिधि मंडल बीएमसी कमिश्नर से मिल कर पानी कटौती के संदर्भ में शिकायत की थी। जिसके बाद बीएमसी ने पानी कटौती रद्द करने का निर्णय लिया है। बीएमसी प्रशासन का कहना है कि जून महीने में बरसात नहीं होने से पानी की आपूर्ति करने वाले तालाबों में भंडारण कम हो गया था। जिस कारण बीएमसी ने 27 जून से 10 प्रतिशत पानी कटौती का निर्णय लिया था। जुलाई महीने के पहले सप्ताह में जलाशय के कैचमेंट एरिया में अच्छी बरसात होने से जलाशयों में पर्याप्त पानी जमा हो गया है। जलाशयों में कम हो गया था पानी मनपा के अपर वैतरणा, मोडक सागर, मध्य वैतरणा, भातसा, विहार और तुलसी इन सात जलाशयों में पूरे वर्ष पानी आपूर्ति करने के लिए 14 लाख 47 हजार 363 मिलियन लीटर पानी लगता है। 27 जून तक जलाशयों में 1 लाख 31 हजार, 770 मिलियन लीटर यानी केवल 9.10 प्रतिशत पानी ही बचा था। 8 जुलाई तक जलाशयों में 3 लाख 75 हजार 514 मिलियन लीटर पानी जमा हो गया है। कुल 35.94 प्रतिशत पानी जमा होने के बाद पानी कटौती को वापस लिया गया है। बीएमसी ने नागरिकों से आवाहन किया है कि भले ही बीएमसी जलाशयों में पीने लायक पानी जमा हो गया है फिर भी पानी का

शिवसेना का हाईकमान मातोश्री

वो बीजेपी के मुख्यमंत्री, संजय राउत का शिंदे पर निशाना

मुंबई: महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शुक्रवार से ही दिल्ली में हैं। वह बीजेपी नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। इस दौरान आने वाले दिनों में होने वाले मंत्रिमंडल विस्तार पर भी चर्चा शुरू है। जिसके मद्देनजर शिवसेना सांसद संजय राउत ने सीएम एकनाथ शिंदे पर निशाना साधा है। राउत ने कहा कि कि कोई कितना भी कहे कि मैं शिवसेना का मुख्यमंत्री हूं, शिवसेना की सरकार है, तो यह सरासर गलत है। उन्होंने कहा कि शिवसेना का हाईकमान दिल्ली में नहीं बल्कि मुंबई के मातोश्री में है। मंत्रिमंडल विस्तार के संबंध में बातचीत के लिए शिवसेना के मुख्यमंत्री कभी दिल्ली नहीं जाते और ना गए हैं। राउत ने कहा कि शिंदे, शिवसेना के नहीं बीजेपी के मुख्यमंत्री हैं। संजय राउत ने यह बात नासिक दौरे के दौरान कही। राउत ने कहा कि एकनाथ शिंदे राज्य के मुख्यमंत्री हैं, उनसे अब महाराष्ट्र को अपेक्षाएं हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के सीमावर्ती इलाके से अक्सर यह खबर आती है कि मराठी भाषी लोगों पर अत्याचार किया जा रहा है। अब जब राज्य में शिवसेना के नहीं बल्कि बीजेपी के सीएम हैं तो उन्हें कर्नाटक के सीएम से बात करनी चाहिए। क्योंकि वहां भी बीजेपी की सरकार है। इसके अलावा केंद्र में भी मोदी सरकार है। फिलहाल यह मामला अदालत में लंबित है। लिहाजा फैसला आने तक इस क्षेत्र को केंद्रशासित करना चाहिए।

राउत ने कहा कि यह मांग एकनाथ शिंदे को पीएम और अमित शाह से करनी चाहिए। यह मसला हल करवाकर ही उन्हें महाराष्ट्र वापस आना चाहिए। अभी मुझे बेलगाम के नागरिकों का एक शिष्टमंडल मिलकर गया है। उन्होंने, मुझे मौजूदा हालात बताए हैं। ठाकरे सरकार जाने के बाद से उनपर अत्याचार किया जा रहा है। संजय राउत ने कहा कि केंद्र सरकार ने इन्हें वचन दिया है कि जो मांगोगे वह मिलेगा। इसके बदले में यह लोग उन्हें क्या देंगे, महाराष्ट्र राज्य के तीन टुकड़े या मुंबई के टुकड़े? मराठी मानुस पर अत्याचार की इजाजत, मुंबई के उद्योग को बाहर ले जाने की इजाजत? यह एक बेहद गंभीर मसला है। जिसपर एकनाथ शिंदे को ध्यान देना होगा। संजय राउत ने कहा कि दिल्ली में शिवसेना सांसदों की एक बैठक हुई है। हालांकि राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के

मौत की बरसात! गुजरात में भारी बारिश से 6 लोगों की मौत

अमदाबाद, देश में बारिश और बाढ़ से तबाही का दौर जारी है। अमरनाथ से लेकर गुजरात तक सभी जगहों पर आसमानी आफत देखने को मिल रही है। समूचे हिंदुस्थान में बरसात ने जहां एक ओर गर्मी से निजात दिलाई है, वहीं दूसरी ओर आए दिन भारी बारिश,बाढ़ और भूस्खलन की समस्याएं भी सामने आ रही हैं। शुक्रवार को अमरनाथ में बादल फटने की दर्दनाक घटना में अब तक १६ लोगों की मौत हुई है, वहीं आज गुजरात में मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। अधिकांश हिस्सों में बारिश जारी रहने से सड़वेंâ नदियों जैसी दिखने लगी। राज्य में बारिश से संबंधित घटनाओं में छह लोगों की मौत हो गई है।

मिली जानकारी के मुताबिक, महिसागर और कच्छ जिलों में दो-दो और पंचमहल तथा देवभूमि द्वारका जिलों में एक-एक की मौत हो गई है। बता दें कि गुजरात के दक्षिणी इलाकों में भारी बारिश हुई और दोपहर में कुछ घंटों तक लगातार बारिश हुई, जिससे राज्य के सबसे बड़े शहर अमदाबाद के कई हिस्से जलमग्न हो गए। भारत मौसम विज्ञान विभाग की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि जामनगर, देवभूमि द्वारका और जूनागढ़ जिलों के कुछ हिस्सों में भी भारी बारिश हुई। सौराष्ट्र और कच्छ क्षेत्रों में मानसून का असर जोरदार था और राज्य के बाकी हिस्सों में मानसून सक्रिय रहा।

एनएसई में फोन टैपिंग संजय पांडेय के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई, शेयर बाजार के कर्मियों की फोन टैपिंग के आरोप में मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त संजय पांडेय और एनएसई की पूर्व एमडी व सीईओ चित्रा रामकृष्ण, रवि नारायण के खिलाफ सीबीआई ने शिकायत दर्ज की है। नारायण एनएसई को-लोकेशन स्कैम से जुड़े मामले में न्यायिक हिरासत में हैं। सीबीआई के अधिकारियों ने जानकारी दी है कि पांडेय के खिलाफ दर्ज एफआईआर के सिलसिले में दिल्ली एनसीआर, मुंबई, पुणे, कोटा, लखनऊ, चंड़ीगढ़ और अन्य शहरों में २० स्थानों पर छापेमारी हो रही है। सीबीआई के मुताबिक एनएसई की सिक्योरिटी ऑडिट करनेवालों में एक कंपनीआईसेक सिक्योरिटीज भी थी, जिसने २००९-१७ के बीच अवैध रूप से एनएसई कर्मियों के फोन टैप किए। कंपनी ने ऐसे समय में ऑडिट किया था, जब को-लोकेशन घोटाला हुआ था। को-लोकेशन मामले की जांच सेबी ने वर्ष २०१५ में शुरू की थी, जब एक व्हिसल ब्लोअर ने आरोप लगाया था कि कुछ ब्रोकर को को-लोकेशन सुविधा, अर्ली लॉग इन और डार्क फाइबर के जरिए एक्ससे प्रॉयोरिटी मिल रही, जिससे किसी ट्रेडर को एक्सचेंज के डेटा फीड तक तेजी से पहुंचने में मदद मिल रही है। इसी मामले में जांच करते हुए गृह विभाग के आदेश पर यह कार्रवाई की गई है।

झीलों में झमाझम! पिछले वर्ष का टूटा रिकॉर्ड, 10 दिन में ही 10 प्रतिशत पानी कटौती का निर्णय रद्द

मुंबई, पिछले ५ दिनों में महानगर मुंबई और उसके आसपास के जिलों में बादल जमकर बरसे हैं। खुशमिजाज बदरा मुंबई को जलापूर्ति करनेवाली ७ झीलों में झमाझम बरसे हैं। जहां कुछ दिनों पहले मुंबई में शॉर्टेज के चलते पानी सप्लाई में कटौती की गई थी, वहीं अब इतनी बरसात हुई है कि पिछले साल का रिकॉर्ड टूट गया है। मनपा ने भी मुंबईकरों को खुशखबरी देते हुए जलापूर्ति में होनेवाली १० प्रतिशत पानी की कटौती के निर्णय को रद्द कर दिया है।

जून महीने में मुंबई और आसपास के क्षेत्र में न के बराबर बारिश हुई थी, जिसके चलते जलापूर्ति को लेकर मनपा के माथे पर लकीरें आ गई थीं और मनपा ने पिछले महीने २७ जून को १० प्रतिशत जल कटौती शुरू कर दी थी। लेकिन मात्र ५ से ६ दिनों में जमकर बरसात हुई है, जिसका नतीजा यह

रहा कि कटौती रद्द कर दी गई। बता दें कि पिछले महीने २७ जून को जहां एक लाख ३१ हजार एमएलडी पानी ही बचा हुआ था वहीं अब ७ झीलों में ३ लाख ७५ हजार मिलियन लीटर से अधिक पानी जमा हो गया है। यह एक रिकॉर्ड ही है क्योंकि पिछले वर्ष की तुलना में फिलहाल ८ प्रतिशत ज्यादा पानी जमा हुआ है। बता दें कि अपर वैतरणा, मोदकसागर, तानसा, हिंदूहृदयसम्राट शिवसेनाप्रमुख बालासाहेब ठाकरे, मध्य वैतरणा जलाशय, भातसा, विहार और तुलसी झीलें हैं जो मुंबई शहर को पानी की आपूर्ति करती हैं। इन झीलों में कुल १४ लाख ४७ हजार ३६३ मिलियन लीटर का उपयोगी जल भंडारण हुआ है। इसी वर्ष २७ जून को पानी आपूर्ति के लिए स्टॉक में मात्र एक लाख ३१ हजार एमएलडी पानी अर्थात ९.१० प्रतिशत पानी ही बचा था। लेकिन अब २६ प्रतिशत से ज्यादा पानी जमा हुआ है।

पुलिस की कमी से बढ़ता अपराध! देशभर में ५.६२ लाख पद हैं रिक्त : एमएचए रिपोर्ट

मुंबई, देश में अपराध का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। बढ़ती आबादी के अनुपात में पुलिस बल की भारी कमी इसकी एक प्रमुख वजह है। वर्षों से सरकारों ने इस दिशा में ठोस प्रयास नहीं किया है। डेटा ऑन पुलिस ऑर्गनाइजेशंस रिपोर्ट २०२१ के अनुसार जनवरी २०२१ तक देश भर के पुलिस विभागों में ५.६२ लाख रिक्त पद थे। हिंदुस्थान के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस बलों में २०१० और २०२० के बीच ३२ज़ की वृद्धि हुई है, लेकिन महिलाओं की हिस्सेदारी वांछित ३३ज़ के मुकाबले केवल १०.५ज़ है। इसी प्रकार ४१ज़ पुलिस थानों में अभी तक महिलाओं के लिए हेल्प डेस्क उपलब्ध नहीं है। इतना ही नहीं ३ में से १ पुलिस थाने में अभी तक एक भी सीसीटीवी कैमरा नहीं है। महिला पुलिस की हिस्सेदारी केवल १०.५ज़ है। अनुसूचित जातियों (एससी) की हिस्सेदारी २०१० में १२.६ फीसदी से मामूली बढ़कर २०२० में

१५.२ज़ हो गई थी, लेकिन अनुसूचित जनजाति (एसटी) की हिस्सेदारी में मामूली बढ़ोतरी हुई है।

यह हिस्सेदारी २०१० में १०.६ फीसदी से बढ़कर २०२० में ११.७ फीसदी हो गई है। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) ने २०१० में २०.८ज़ से २०२० में २८.८ज़ तक मजबूत प्रतिनिधित्व दर्ज किया है। इंडिया जस्टिस रिपोर्ट की मुख्य संपादक सुश्री माजा दारूवाला ने कहा, ‘केंद्र , राज्य और केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) स्तरों पर सरकारों ने अपने पुलिस बलों में नीति और जनादेश दोनों में विविधता को स्वीकार किया है। एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण वाले २४ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से केवल कर्नाटक ने २०२० में अपने वैधानिक आरक्षित कोटा को पूरा किया है। १७ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में, जहां पुलिस बल में ३३ज़ महिलाओं को शामिल करना अनिवार्य किया गया है, वहीं कोई भी राज्य ‘अपना लक्ष्य हासिल नहीं कर पाया है। बिहार में सबसे अधिक (४१.८ज़) पुलिस के पद रिक्त है और उत्तराखंड में सबसे कम (६.८ज़) हैं। इसी प्रकार पुलिस बल में महिलाओं का प्रतिशत १०.५ है। इसे ३३ज़ तक ले जाने की आकांक्षा है जबकि ६ केंद्र शासित प्रदेशों और ११ राज्यों में ३३ज़ आरक्षण का लक्ष्य है, अन्य जगहों पर बिहार के ३८ज़ से लेकर अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और त्रिपुरा में १०ज़ तक का लक्ष्य है। ७ राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों में कोई आरक्षण नहीं है। २०२० तक, कोई भी एक राज्य या केंद्र शासित प्रदेश अपने लिए निर्धारित लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाया है। बड़े और मध्यम आकार के राज्यों में, तमिलनाडु में १९.४ज़, बिहार में १७.४ज़ और गुजरात में १६ज़ के साथ महिलाओं की हिस्सेदारी सबसे अधिक है, लेकिन वे भी ३०ज़, ३८ज़, और क्रमशः ३३ प्रतिशत के अपने आरक्षण को पूरा नहीं करते हैं।

पार्टी छोड़ी है वफादारी नहीं, सरकार की परवाह नहीं, किरीट सोमैया पर भड़के बागी विधायक

मुंबई: महाराष्ट्र में भले ही उद्धव ठाकरे सरकार का दौर खत्म हो चुका हो और शिंदे सरकार का आगाज हो चुका है। भले ही एकनाथ शिंदे समेत 40 शिवसेना विधायकों ने बगावत की हो। लेकिन आज भी बागी गुट विधायकों के दिल में उद्धव ठाकरे और उनके परिवार के प्रति आदर है। इसका उदाहरण शुक्रवार को देखने को भी मिला। जब बागी गुट के विधायक दीपक केसरकर और संजय राठौड़ ने बीजेपी (BJP) नेता किरीट सोमैया पर जोरदार हमला बोला। दोनों ही नेताओं ने कहा कि हमें सरकार की परवाह नहीं है। लेकिन ठाकरे परिवार पर निजी हमले बर्दास्त नहीं किये जायेंगे। हमने भले ही अपना गुट बना लिया हो लेकिन ठाकरे परिवार के लिए आज भी मन में आदर है। दरअसल सोमैया (Kirit Somaiya) ने एकनाथ शिंदे के बहाने उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा था। सोमैया ने क्या कहा था

महाराष्ट्र बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने एक ट्वीट किया था। यह ट्वीट उन्होंने एकनाथ शिंदे से मुलाकात के बाद किया था। इस ट्वीट में उन्होंने लिखा था कि रिक्शावाला सीएम एकनाथ शिंदे से आज मंत्रालय में मुलाकात की और उन्हें शुभकामनाएं दीं। माफिया सीएम को बदलने के लिए उन्हें धन्यवाद। किरीट सोमैया के ट्वीट के बाद बागी गुट के नेता दीपक केसरकर ने बीजेपी नेता पर जमकर अपनी भड़ास निकाली। उन्होंने कहा कि हम सोमैया द्वारा उद्धव ठाकरे के खिलाफ इस्तेमाल किए गए शब्दों से कतई सहमत नहीं हैं। उन्हें ऐसे शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। उन्हें ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। केसरकर ने कहा कि उन्हें इस तरह की टिप्पणी करने की जरूरत नहीं थी। उन्होंने यह भी कहा कि मैंने पहले ही मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और

उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को उद्धव ठाकरे के खिलाफ टिप्पणी न करने का अनुरोध किया है। बुलढाणा के विधायक संजय गायकवाड इसके पहले भी किरीट सोमैया पर तीखा हमला किया है। उन्होंने सोमैया को चेतावनी दी है कि वह ठाकरे परिवार के खिलाफ किसी भी प्रकार की आलोचना सहन नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि सोमैया अगर ठाकरे परिवार के खिलाफ इसी तरह अपना बयान जारी रखते हैं। तो हमें सरकार की कोई फिक्र नहीं होगी। गायकवाड ने यह भी कहा कि सोमैया यह बिल्कुल ना समझें कि विधायक शिवसेना से अलग हो गए हैं तो हमने बालासाहेब ठाकरे, उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे के प्रति वफादारी छोड़ दी है। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को मातोश्री में मीडियाकर्मियों से मुलाकात की इस दौरान उन्होंने एकनाथ शिंदे समेत बागी गुट के विधायकों पर तीखा हमला बोला।

सुप्रीम कोर्ट दिखाए राह

एक टीवी न्यूज एंकर की गिरफ्तारी को लेकर छत्तीसगढ़ पुलिस और यूपी पुलिस आमने-सामने खड़ी नजर आई। यह दुर्भाग्यपूर्ण भले हो, कोई नई बात नहीं रह गई है। कुछ समय पहले बीजेपी नेता तेजिंदर सिंह बग्गा को पकड़ने आई पंजाब पुलिस ने जिस तरह सुबह-सुबह उन्हें उनके घर से उठाया और फिर दिल्ली और हरियाणा पुलिस ने उस प्रयास को नाकाम किया, उसे भी भुलाया नहीं जा सकता। हालांकि छत्तीसगढ़ पुलिस का ताजा ऑपरेशन इस मामले में अलग जरूर है कि इस बार पुलिस टीम गिरफ्तारी वॉरंट लेकर आई थी। मगर स्थानीय पुलिस को सूचित करने की जरूरत उसने भी महसूस नहीं की। मामला कांग्रेस नेता राहुल गांधी के वायनाड दफ्तर में हुई तोड़फोड़ की घटना पर दिए उनके बयान को उदयपुर में हुई टेलर की हत्या से जोड़कर दिखाने का है। न्यूज चैनल ने इसे मानवीय भूल बताते हुए इस पर माफी मांग ली है, लेकिन छत्तीसगढ़ पुलिस को मामले की तह तक जाना जरूरी लग रहा है। समस्या सिर्फ यह है कि ऐसे तमाम मामले मूलतः राजनीतिक हैं। खास पार्टी को रुचने वाले मामले में उस पार्टी द्वारा शासित कई राज्यों में एफआईआर दर्ज करा दी जाती है। अगर सामने वाले की किस्मत अच्छी हुई और उसके राज्य में दूसरी पार्टी का शासन हुआ तो कुछ हद तक बचाव हो जाता है जैसा टीवी एंकर के मौजूदा मामले में नजर आ रहा है। उन्हें अपने बीजेपी शासित राज्य की पुलिस से काफी सहयोग मिला। इसके उलट जब गुजरात के युवा नेता जिग्नेश मेवाणी को पकड़ने असम की पुलिस आई तो उन्हें

स्थानीय प्रशासन से ऐसा कोई सहयोग नहीं मिला क्योंकि दोनों राज्यों में एक ही पार्टी की सरकार थी। लगभग ऐसी ही स्थिति फार्मेसी स्टूडेंट निखिल भामरे और मराठी अभिनेत्री केतकी चितले की हुई, जिन्हें एनसीपी नेता शरद पवार से संबंधित फेसबुक पोस्टों की वजह से जेल जाना पड़ा। जाहिर है किसी लोकतांत्रिक समाज में पुलिस को इस तरह से सत्तारूढ़ दल का अजेंडा अपने हाथ में लेकर उसे जैसे-तैसे आगे बढ़ाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। लेकिन पुलिस का नियंत्रण राजनीतिक नेतृत्व के हाथों में होता है और आज की तारीख में कोई भी राजनीतिक दल इस तरह का लोकतांत्रिक अंकुश बर्दाश्त करने के मूड में नहीं दिखता। ऐसी स्थिति में गेंद स्वाभाविक रूप से सुप्रीम कोर्ट के पाले में आ जाती है। अन्य राज्यों में पुलिस कार्रवाई को लेकर सीआरपीसी के प्रावधान पूरी तरह स्पष्ट नहीं हैं। यह अस्पष्टता सुप्रीम कोर्ट ही दूर कर सकता है। यह भी ध्यान देने की बात है कि सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट दिशानिर्देश के बावजूद एक ही मामले में अलग-अलग राज्यों में एफआईआर दर्ज कराने के मामले

जॉनसन नहीं सुधरेंगे

किरीट ए. चावड़ा

ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के दो वरिष्ठ मंत्रियों ने अचानक मंत्री पद से इस्तीफा देकर उनकी मुसीबतें बढ़ा दी हैं। भारतीय मूल के वित्त मंत्री ऋषि सुनक और पाकिस्तानी मूल के स्वास्थ्य मंत्री साजिद जावेद ने मंगलवार को इस्तीफा दिया। यह एलान दोनों ने तब किया, जब जॉनसन टीवी पर माफी मांग रहे थे कि उन्होंने यौन दुर्व्यवहार के आरोपी एक सांसद को इस शिकायत की जानकारी होने के बावजूद प्रमोशन दिया। सुनक ने यह भी कहा कि सरकार के कामकाज का ऊंचा स्तर बनाए रखना जरूरी है, जो मौजूदा हालात में संभव नहीं हो पा रहा। दरअसल, जॉनसन का तीन साल का कार्यकाल कई तरह के विवादों से घिरा रहा। यह कोई पहला मौका नहीं है, जब उन्हें गलती के लिए माफी मांगनी पड़ी हो। इससे पहले कोविड के दौरान प्रधानमंत्री आवास में पार्टी देने के विवाद में भी जॉनसन को गलती कबूल करनी पड़ी थी। पिछले महीने उनकी पार्टी के सांसदों ने ही उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था, जिसमें उनकी सरकार बाल-बाल बची। लेकिन तीन साल पहले हालात अलग थे। तब जॉनसन को आम चुनाव में शानदार जीत मिली थी। ऐसी जीत, जिसे देखकर लगा था कि वह 10 साल तक सत्ता में बने रहेंगे। वह नए मार्गरेट थैचर हो सकते थे। वह ब्रेग्सिट के साथ ब्रिटेन में नया आर्थिक, सामाजिक मॉडल तैयार कर सकते थे। अफसोस, जॉनसन इन मौकों को गंवा बैठे। आज ब्रिटेन आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है। जून में वहां महंगाई दर 9 फीसदी तक पहुंच गई। इसके जल्द ही दहाई अंकों में पहुंचने के अनुमान लगाए जा रहे हैं। जॉनसन की नीतियां भ्रम में डालने वाली हैं। वह एक तरफ स्कूलों, अस्पतालों, पुलिसिंग और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च बढ़ाना चाहते हैं क्योंकि इससे उनकी मशहूरी बढ़ेगी। लेकिन खर्च बढ़ाने के लिए पैसा चाहिए। इसकी खातिर वह टैक्स बढ़ाते हैं। टैक्स बढ़ाने पर जब उनकी रेटिंग गिरने लगती है, तब वह इसे घटाने लगते हैं। वह एक साथ पॉप्युलर और रिफॉर्मर दोनों बनना चाहते हैं, जो मुश्किल है। सरकार के दो सीनियर मंत्रियों के इस्तीफा देने के बाद भी जॉनसन के पास बहुमत है। पार्टी में उनके विरोधी पिछले महीने अविश्वास प्रस्ताव ला चुके हैं। पार्टी संविधान के मुताबिक, अब कम से कम एक साल तक उनके खिलाफ दूसरा अविश्वास प्रस्ताव वे नहीं ला सकते। लेकिन सच यह भी है कि उनकी लोकप्रियता घट रही है। हालिया ओपिनियन पोल के मुताबिक, 2019 आम चुनाव में जिन लोगों ने जॉनसन की कंजर्वेटिव पार्टी को वोट दिया था, उनमें से 54 फीसदी किसी और को प्रधानमंत्री देखना चाहते हैं। अगला आम चुनाव अभी

तब अटल से चिढ़ गए थे पार्टी के कई नेता

गणेश पाण्डेय

जयपुर से कई टर्म बीजेपी के सांसद रहे गिरधारी लाल भार्गव। बीजेपी के राजस्थान में सबसे बड़े नेता भैरोंसिंह शेखावत से उनकी नहीं पटती थी, लेकिन फिर भी वह बड़े लोकप्रिय थे। उनके निधन के बाद ही पहली बार जयपुर की संसदीय सीट बीजेपी हारी थी। भार्गव जयपुर में हर दिन अपने स्कूटर पर निकल जाते और पूरे शहर में किसी के निधन, किसी की शादी जैसे तमाम कार्यक्रमों में शिरकत करते हुए देर रात घर लौटते। शहर के लोगों का एक और बड़ा काम उन्होंने किया। तब जयपुर के श्मशान गृह में ऐसी बहुत सी अस्थियों का ढेर पड़ा रहता था जिसे कोई प्रवाहित करने वाला नहीं होता था। भार्गव हर शनिवार की रात बोरी भर कर अस्थियां राजस्थान रोडवेज की बस से हरिद्वार ले जाते, और पूरे विधि-विधान के साथ उन्हें हर की पौड़ी पर प्रवाहित कर आते। जयपुर में हर पार्टी का कार्यकर्ता और वोटर उन्हें अपना नेता मानता था। दिल्ली में सांसद के तौर पर जब उन्हें घर मिला तो वे उसका सिर्फ एक कमरा इस्तेमाल करते थे, बाकी घर राजस्थान से आने वाले लोगों के लिए हमेशा खुला रहता था। वहां भंडारे की व्यवस्था रहती थी हमेशा। एक बार जयपुर के पूर्व नरेश भवानी सिंह ने उनके खिलाफ चुनाव लड़ा। भार्गव का नारा था- जिसका कोई न पूछे हाल, उसके संग गिरधारी लाल। और जनता के इस नुमाइंदे ने राजा को हरा दिया। मंत्री जी को वोटरों ने बैनर से दिया जवाब वाजपेयी के प्रधानमंत्री बनने के बाद रेसकोर्स रोड के उनके सरकारी आवास पर पुस्तक विमोचन और मिलन के कार्यक्रमों का आयोजन रोज की बात हो गई थी। वाजपेयी के जन्मदिन पर हजारों लोग उन्हें बधाई देने पहुंच जाते और मेला सा लगा रहता। मुझे भी कई बार उनके साथ देश के अलग-अलग शहरों में जाने का मौका मिला। वहां भी वही हाल रहता। कार्यकर्ताओं से मिलने में उन्हें बड़ा आनंद आता था। लेकिन वाजपेयी सरकार में एक बड़े मंत्री थे। उन्होंने अपने घर के बाहर तख्ती लगवा दी, 'कृपया तबादलों और दाखिलों के लिए न मिलें।' किसी ने पूछा कि कार्यकर्ता का इतना सा भी काम नहीं करेंगे तो उसकी सरकार होने का क्या मतलब? ब्रह्म ज्ञान वाले मंत्री जी ने कहा, 'सरकार में सब बराबर हैं'। उसके बाद हुए लोकसभा चुनावों में उनके क्षेत्र में जाने का मौका मिला, तो वहां बहुत सी कॉलोनियों में बैनर लगे हुए थे, 'कृपया वोट के लिए न मिलें।' उस चुनाव का नतीजा तो आप नहीं ही

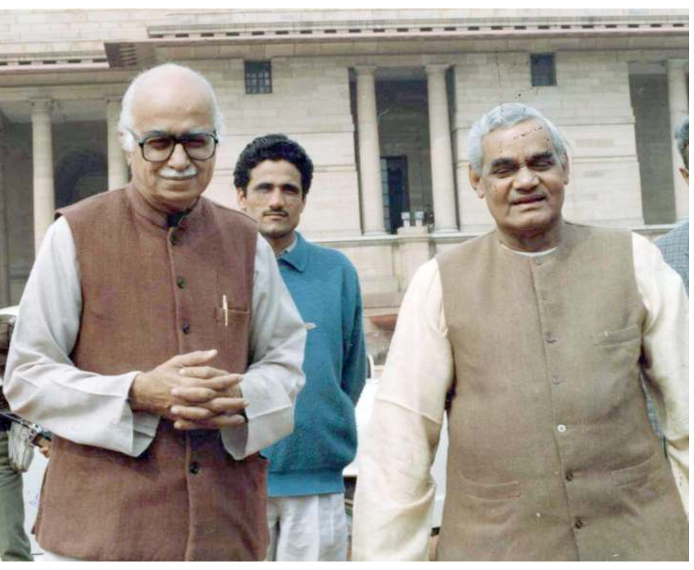

जानना चाहेंगे। ऐसे ही यूपीए सरकार में दिल्ली से कांग्रेस के एक बड़े मंत्री थे। दिल्ली में माता की चौकी यानी जागरण के कार्यक्रम बहुत होते हैं। हर कोई चाहता है कि उनके कार्यक्रम में स्थानीय सांसद या विधायक जरूर आएं। चुनाव से पहले खुद को दिल्ली का असल पंजाबी बताने वाले नेताजी के मंत्री बनने के बाद सुर बदल गए। उन्होंने साफ मना कर दिया किसी माता की चौकी या जागरण के कार्यक्रम में जाने से। आजकल वे न मंत्री हैं, न ही सांसद और अब उन्हें माता की चौकी के लिए भी कोई नहीं बुलाता। नई पार्टी बनाना और उसे अलग पहचान देना आसान काम नहीं था। नए राजनीतिक दल का नाम तय करने की बात जब उठी, तब भी पार्टी के बहुत से नेता इस बात के लिए दबाव डालते रहे कि उसका नाम फिर से 'भारतीय जनसंघ' ही रखा जाए लेकिन पार्टी के ज्यादातर कार्यकर्ताओं और नेताओं ने वाजपेयी के इस प्रस्ताव का समर्थन किया कि उसका नाम 'भारतीय जनता पार्टी' होना चाहिए। वाजपेयी ने कहा कि इस नाम से यह साफ होता है कि हमारे संबंध भारतीय जनसंघ और जनता पार्टी दोनों से रहे हैं, लेकिन अब हम अपनी अलग और नई पहचान बनाना चाहते हैं।

पार्टी के कमल निशान की कहानी

अब नई पार्टी के लिए निशान और झंडे की खोज शुरू हुई। झंडे में एक तिहाई हरा रंग और दो तिहाई भगवा रंग शामिल किया गया। बीजेपी के पास उस वक्त कोई चुनाव चिह्न नहीं था क्योंकि वह चुनाव आयोग में पंजीकृत पार्टी नहीं थी। आडवाणी की अगुआई में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चुनाव आयुक्त एसएल शकधर से मुलाकात की। शकधर ने कहा कि पार्टी के लिए इतनी जल्दी चुनाव चिह्न का आंवटन करना तो मुमकिन नहीं है, लेकिन फिलहाल निर्दलीय उम्मीदवारों के लिए रखे गए चुनाव चिह्नों में से किसी एक को पसंद कर लिया जाए, तो आयोग पार्टी के सभी उम्मीदवारों को वही चुनाव चिह्न दे देगा। इससे बिना पंजीकृत पार्टी के भी सभी उम्मीदवार एक चुनाव चिह्न पर मैदान में उतर सकेंगे। आडवाणी ने उन चिह्नों में से कमल को पसंद कर लिया और आयोग ने हामी भर दी। इस तरह बीजेपी का चुनाव चिह्न कमल हो गया। 1980 में जनता पार्टी से निकल कर भारतीय जनता पार्टी बनाते वक्त वाजपेयी के दिमाग में नई पार्टी को लेकर शायद एक अलग तस्वीर थी। वह जनसंघ की ताकत को साथ लेते हुए बीजेपी का विस्तार करना चाहते थे। आपातकाल के दौरान जिन लोगों ने लोकतंत्र की लड़ाई में हिस्सा लिया था और समान विचारधारा के प्रबुद्ध लोग थे, उन्हें वह बीजेपी में शामिल करना चाहते थे। इसीलिए पहली बार पार्टी में उन लोगों को भी सदस्य बनाया गया जो संघ परिवार से जुड़े नहीं रहे थे। इससे पहले जनसंघ में लोग संघ परिवार के रास्ते ही आते थे। एक और अहम बदलाव वाजपेयी ने जनसंघ और बीजेपी में किया। यह बदलाव था पंडित दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानवतावाद' के साथ 'गांधीवादी समाजवाद' को जोड़ना। बीजेपी में

बीजेपी के लिए साउथ में खुला है आसमान

भूपेन्द्र पटेल

बीजेपी ने अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी हैदराबाद में आयोजित कर इस बात का साफ संदेश दे दिया कि पार्टी अब तेजी से अपने मिशन साउथ की तरफ बढ़ रही है। वह वहां अलग-अलग राज्यों के विधानसभा चुनावों पर तो फोकस कर ही रही है, लेकिन बड़ा टारगेट 2024 के लोकसभा चुनाव हैं। उसके लिए बेहद अहम है कि वह लोकसभा चुनाव से पहले दक्षिण के राज्यों में अपना संगठन मजबूत करे और उसे इस स्थिति तक पहुंचाए कि वहां लोकसभा की अधिक से अधिक सीटें जीती जा सकें। बीजेपी के लिए दक्षिण भारत एक तरीके से अग्निपथ है, जिस पर बढ़ना कठिन है। लेकिन यही उसे ऐसा खुला आसमान मुहैया करा रहा है, जहां वह अपने विस्तार को नई ऊंचाई दे सकती है। दक्षिण भारत के पांच राज्यों- आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना, केरल और कर्नाटक से कुल मिलाकर लोकसभा की 129 सीटें आती हैं। 2019 में बीजेपी का इन राज्यों में प्रदर्शन कुल मिलाकर खराब रहा था। आंध्र में लोकसभा की 25 सीटें हैं। वाईएसआरसीपी ने इनमें से 22 सीटें जीती थीं तो तीन सीटें टीडीपी ले गई। बीजेपी का खाता भी नहीं खुला। केरल में लोकसभा की 20 सीटें हैं। वहां कांग्रेस ने 15 सीटें जीतीं। 2 सीट मुस्लिम लीग, 1 सीपीएम, 1 केसीएम और 1 आरएसपी को मिली। कर्नाटक जरूर अपवाद रहा। यहां बीजेपी ने लोकसभा की 28 सीटों में से 25 पर जीत दर्ज की थी। तेलंगाना में लोकसभा की 17 सीटें हैं, जिनमें से उसे चार सीटें मिली थीं। 9 सीटें टीआरएस, 3 कांग्रेस और एक सीट एआईएमआईएम को मिलीं। तमिलनाडु में 2021 विधानसभा चुनाव में जरूर एआईएडीएमके के साथ सीट शेयरिंग कर बीजेपी ने चार सीटें जीती थीं। यहां लोकसभा की 39 सीटें हैं। तेलंगाना से है

सबसे ज्यादा उम्मीद

अब तेलंगाना से बीजेपी की उम्मीदें बढ़ी हैं। उसने यहां दो सीटों पर उपचुनाव भी जीता है। बीजेपी नेता अक्सर कहते हैं कि उत्तर भारत में पार्टी लगभग पीक पर पहुंच गई है। जहां थोड़ी-बहुत कमी है, वहां उसे पूरा करने की कोशिश की जा रही है। लेकिन दक्षिण भारत उसके लिए अभी खुला मैदान है। यहां उसे बढ़ने के नए मौके मिल सकते हैं। बीजेपी नेताओं का कहना है कि कर्नाटक के बाद अगर पार्टी के लिए साउथ में कहीं सबसे ज्यादा संभावनाएं हैं तो वह है तेलंगाना। यहां राष्ट्रीय कार्यकारिणी के दौरान पार्टी नेताओं ने बार-बार इसका जिक्र भी किया। राज्य में पार्टी अभी से उसी तरह पूरी ताकत झोंक देना चाहती है, जिस तरह उसने पश्चिम बंगाल में झोंका था। इस राज्य में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव तो अहम हैं ही, उसकी नजर यहां लोकसभा की 17 सीटों पर भी है।

इसीलिए बीजेपी यहां सत्ताधारी पार्टी टीआरएस पर इस कदर हमलावर है। वह टीआरएस से उसकी सबसे बड़ी यूएसपी ही छीन लेने की कोशिश कर रही है। यह पार्टी तेलंगाना राज्य आंदोलन से निकली है, लेकिन बीजेपी की कोशिश है कि वह टीआरएस की इस पहचान को खत्म कर दे। राष्ट्रीय कार्यकारिणी में कई बार यह कहा भी गया कि बीजेपी कार्यकर्ताओं ने सालों तक संघर्ष किया, जिसके बाद अलग तेलंगाना राज्य की मांग पूरी हुई। दोनों पार्टियों के तेवर से यहां भी सीधा मुकाबला इन्हीं दोनों दलों में दिखने लगा है। भले असल मुकाबला अन्य पार्टियों के बीच हो, लेकिन अभी जुबानी जंग और पोस्टर वॉर टीआरएस और बीजेपी के बीच ही चल रही है। टीआरएस भी बीजेपी पर हमला करने का कोई मौका नहीं छोड़ रही। यह अलग बात है कि इससे बीजेपी को नुकसान के बदले फायदा ही हो रहा है। वह सबकी चर्चा में आ रही है और उसकी तरफ सबका ध्यान जा रहा है। पार्टी के एक सीनियर नेता ने बताया कि आने वाले दिनों में बीजेपी के सभी बड़े नेताओं का तेलंगाना में प्रवास रहेगा।

क्षेत्रीय दलों को घेरने की है रणनीति

जिस तरह की स्ट्रैटिजी पर बीजेपी आगे बढ़ रही है, उससे साफ दिख रहा है कि वह अलग-अलग राज्यों में क्षेत्रीय पार्टियों को घेरने में लगी है। कांग्रेस मुक्त भारत का नारा तो वह पहले ही दे चुकी है। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस उसके लिए कोई खास चुनौती भी साबित नहीं हुई। अब अगर बीजेपी को अलग-अलग राज्यों में अपनी लोकसभा सीटें बढ़ानी हैं तो क्षेत्रीय दलों से उसे दो-दो हाथ करने ही होंगे। इसलिए क्षेत्रीय दलों को काउंटर करने के लिए वह राज्यवार अलग-अलग रणनीति पर तो काम कर ही रही है, साथ-साथ परिवारवाद, जातिवाद और तुष्टीकरण की राजनीति के आरोप लगाकर आम लोगों के मन में इनके प्रति संदेह भी पैदा कर रही है। यूपी में बीजेपी ने समाजवादी पार्टी को परिवारवाद और जातिवाद के नाम पर घेरा। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की टीएमसी पर तुष्टिकरण की राजनीति का आरोप लगाया। तेलंगाना में टीआरएस सरकार को वह बाप-बेटे की सरकार कह रही है। भले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विपक्षी दल एक होने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन बीजेपी की रणनीति साफ है। वह विभिन्न पार्टियों को अलग-अलग उनके ही गढ़ में घेर रही है। इसके साथ ही वह सोशल इंजीनियरिंग पर भी काम कर रही है। एक दौर में कहा जाता था कि मुस्लिम बीजेपी को वोट नहीं दे सकते हैं। लेकिन पार्टी नेताओं का मानना है कि तीन तलाक पर रोक के बाद मुस्लिम

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने संभाला कार्यभार

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे (Eknath Shinde) ने गुरुवार को राज्य सचिवालय 'मंत्रालय' में आधिकारिक रूप से अपना कार्यभार संभाल लिया. शिंदे के प्रभार संभालने से पहले भव्य तरीके से सजाए गए मुख्यमंत्री कार्यालय में पूजा की गयी. उनके कक्ष में शिवसेना (Shiv Sena) संस्थापक बाल ठाकरे (Bal Thackeray) की बड़ी तस्वीर लगी है और उसके बगल में शिंदे के मार्गदर्शक आनंद दिघे (Anand Dighe) की तस्वीर लगी है. शिंदे ने सचिवालय

इमारत में प्रवेश करते ही मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज और डॉ. बी आर आंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की. शिंदे की अगुवाई वाले विधायकों के धड़े के प्रवक्ता दीपक केसरकर ने पत्रकारों से कहा कि बाल ठाकरे किसी की संपत्ति नहीं हैं. उन्होंने उद्धव ठाकरे नीत धड़े द्वारा, शिवसेना के दिवंगत संस्थापक बाल ठाकरे का नाम और तस्वीर शिंदे गुट द्वारा इस्तेमाल करने पर आपत्ति जताए जाने के बारे में पूछने पर कहा, "बालासाहेब पूरे राज्य के हैं और कोई इस तथ्य को बदल नहीं सकता." केसरकर ने उद्धव ठाकरे को लेकर कही ये बात शिवसेना सांसद संजय राउत पर निशाना साधते हुए केसरकर ने कहा, "राउत, शरद पवार के करीबी हैं, उद्धव जी के बारे में मुझे नहीं पता. जब मुझे लगा कि महा विकास आघाडी (शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस) में शिवसेना को दिक्कतें हो रही हैं तो मैंने उद्धवजी को मनाने की कोशिश की. मैं कभी उनसे मंत्री पद के लिए नहीं मिला." उन्होंने कहा, "उन्होंने 2014 में मुझे कहा था कि वह मुझे मंत्रिमंडल में शामिल नहीं कर सकते क्योंकि उन्हें शिवसेना के उन नेताओं को पहले प्राथमिकता देनी है,

जिन्होंने बालासाहेब के साथ काम किया था, इसलिए मैं उद्धवजी का सम्मान करता हूं." केसरकर ने उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना के, लोकसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक के तौर पर भावना गवली को हटाने के फैसले की भी आलोचना की. उन्होंने कहा, "ऐसे कदम से आप महिलाओं को अपमानित कर रहे हैं. वह पांच बार सांसद रह चुकी हैं, जिन्होंने हमेशा शिवसेना का झंडा बुलंद किया है." गौरतलब है कि उद्धव ठाकरे की

मस्जिद बंदर के पास दीवार रेलवे की पटरी पर गिरी

मुंबई। मुंबई बारिश का जोर गुरुवार को कम था बावजूद इसके दीवार गिरने और प्लास्टर गिरने की घटनाएं मुंबई में घटती रही। गुरुवार की सुबह मस्जिद बंदर स्टेशन के पास हार्बर लाइन की पटरी पर सुरक्षा दीवार गिर गई। यह घटना करीब 7.15 बजे के दरम्यान घाटी यह सुरक्षा दीवार एक निजी इमारत की थी जिसमे बेस्ट का इलेक्ट्रिक मीटर बना हुआ था। इस हादसे के कारण सीएसएमटी और वडाला के बीच उपनगरीय लोकल सेवा 8 घंटे तक बाधित रही. बेस्ट के जनसंपर्क विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि हार्बर रूट पर यात्रियों को असुविधा न हो, इसके लिए बेस्ट ने यात्रियों की सेवा के लिए 9 अतिरिक्त बसें चलाई गई। रेलवे प्रशासन ने बाकी की दीवार के फिर से गिरने का खतरा को देखते हुए मध्य रेलवे ने दोपहर 2 से 4 बजे के बीच एक विशेष मेगा ब्लॉक लिया। मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिवाजी सुतार ने ट्वीट कर बताया कि शाम चार बजे तक दीवार का काम पूरा होने के बाद हार्बर लाइन की सेवा बहाल कर दी गयी. हर साल बारिश के मौसम में पटरियों पर पानी जमा होने से मुंबई मुंबई में उपनगरीय सेवा बाधित होने की घटना घटती ही है। उसमे इस तरह की घटना और परेशानी खड़ी कर देती है। मुंबई में पिछले चार दिनों से हो रही बारिश के चलते दिवार गिरने सहित अन्य प्रकार की दुर्घटनाये शुरू हो गई है। गुरुवार की सुबह जब लोगो को अपने नौकरी आदि के लिए समय पर पहुंचना होता है उसी समय हार्बर लाइन पर मस्जिद बंदर स्टेशन के पास पटरियों पर एक निजी इमारत की दीवार गिर गई जिससे हार्बर लाइन की सेवाएं बाधित हो गईं। दीवार का एक हिस्सा फिर से गिर सकता है, इसलिए दीवार की सुरक्षा के लिए दोपहर 2 से 4 बजे के बीच दो घंटे का आपातकालीन मेगाब्लॉक लिया गया। दिवार गिरने की घटना के बाद साढ़े सात बजे के बाद रेलवे कर्मियों ने पटरियों पर पड़े मलबे को तुरंत हटाकर हार्बर लाइन पर यातायात सुचारू किया. दीवार का एक हिस्सा फिर से गिर सकता है, इसलिए दीवार की सुरक्षा के लिए

मच्छरदानी इस्तेमाल की अनुमति के लिए कोर्ट पहुंचे दो कैदी

मुंबई. राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत ने भीमा कोरेगांव के एल्गार परिषद मामले के दो आरोपियों द्वारा जेल में मच्छरदानी का इस्तेमाल किए जाने की अनुमति दिए जाने की मांग को लेकर दायर आवेदन को खारिज कर दिया है। यह आवेदन आरोपी गौतम नवलखा व सागर गोरखे ने दायर किया था। इन दोनों आरोपियों को फिलहाल नई मुंबई के तलोजा जेल में रखा गया है। इससे पहले जेल अधिकारियों ने इन दोनों आरोपियों के पास से मच्छरदानी को ले लिया था। जेल अधिकारियों के मुताबिक आरोपी मच्छरदानी का इस्तेमाल अपना गला घोटने के लिए कर सकते है। जेल अधिकारियों के इस रुख के बाद दोनों ने कोर्ट में आवेदन दायर किया था। मामले से जुड़े दोनों पक्षोंको सुनने के बाद न्यायाधीश राजेश कटारिया ने दोनों आरोपियों के आवेदन को खारिज कर दिया किंतु उन्हें जेल में मच्छरदानी बजाय मच्छरों को भगाने के लिए धूप व क्रिम इस्तेमाल करने की इजाजत दे दी।

मराठी में साइन बोर्ड लगाने मिल सकती है तीन माह की मोहलत

मुंबई. महानगरपालिका ने बांबे हाईकोर्ट को सूचित किया है कि दुकानों के नाम देवनागरी लिपि (मराठी) मे लिखने के लिए दुकानदारों को तीन माह की मोहलत दी जाए। इससे जुड़ा प्रस्ताव मनपा के संबंधित विभाग ने मनपा आयुक्त के पास विचारार्थ भेजा। इस पर जल्द ही निर्णय किया जाएगा। शुक्रवार को मनपा की ओर से पैरवी कर रही वकील धुति कपाडिया ने न्यायमूर्ति आरडी धानुका व न्यायमूर्ति एमजी सिविलिकर की खंडपीठ को यह जानकारी दी। दुकानों के साइनबोर्ड मराठी में लिखने के लिए समय दिए जाने की मांग को लेकर दी होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। मनपा की ओर से दी गई इस जानकारी के मद्देनजर एसोसिएशन की ओर से पैरवी कर रही वकील वीणा थडानी ने कहा कि

महाराष्ट्र में सिर्फ बाला साहेब की शिवसेना चलेगी : उद्धव ठाकरे

मुंबई। पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शिवसेना के बागी विधायकों को सरकार बनाने के लिए समर्थन देने वाली भाजपा पर नाम लिए बिना हमला बोला है। उद्धव ने कहा कि शिवसेना को खत्म करने का प्रयास करने वाले शिवसेना पर कब्जा करना चाहते हैं। क्योंकि उन्हें शिवसेना का अस्तित्व समाप्त करना है। मगर महाराष्ट्र में शिवसेना एक ही है और एक ही शिवसेना रहेगी। वह बालासाहब ठाकरे की शिवसेना है। कानून के अनुसार भी दूसरी शिवसेना नहीं बनाई जा सकती है। शिवसेना का चुनाव चिन्ह 'धनुष-बाण' हमारे पास ही रहेगा।

बुधवार को उद्धव ने मातोश्री में पुणे के शिवसेना पदाधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान उद्धव ने कहा कि फिलहाल शिवसेना के लिए यह चुनौतीपूर्ण भरा समय है। अभी शिवसेना को तोड़ने नहीं बल्कि शिवसेना को खत्म करने की कोशिश की जा रही है। इसलिए कुछ लोग ऐसा दर्शाने की कोशिश कर रहे हैं कि हमने एक शिवसैनिक को मुख्यमंत्री बनाया है। उद्धव ने कहा कि अगले कुछ दिनों तक लालच दिखाने और धमकाने की कोशिश की जाएगी। मगर हमें किसी के बहकावे में नहीं आना है।चुनाव चिन्ह को लेकर चिंता करने की जरुरत नहीं उद्धव ने कहा कि कुछ लोगों ने भाजपा के साथ मिलकर नया गठबंधन बनाया है। ऐसे में शिवसेना के पदाधिकारियों के मन में सवाल पैदा हो रहा है कि अगला चुनाव किस चुनाव चिन्ह पर लड़ा जाएगा। लेकिन किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है। शिवसेना 'धनुष बाण' चिन्ह पर ही चुनाव लड़ेगी। इसके पहले उद्धव से मुलाकात के दौरान शिवसेना के पदाधिकारियों ने शिंदे गुट में शामिल होने वाले शिवसेना के पूर्व राज्य मंत्री विजय शिवतारे के खिलाफ नारेबाजी की।

बच्चों के टीकाकरण को गति, 212 स्वास्थ्य केंद्रों पर सप्ताह में लगेंगे टीके

मुंबई, मुंबई महानगरपालिका ने बच्चों के टीकाकरण को गति देने के लिए मुहिम तेज कर दी है। मनपा ने मुंबई भर के 212 स्वास्थ्य केंद्रों में सप्ताह में एक दिन बच्चों के टीकाकरण के लिए विशेष कैंप शुरू करने का निर्णय लिया है। इसके अलावा स्कूलों की मांग पर भी बच्चों को कोरोना वैक्सीन की खुराक दी जाएगी। मुंबई में मार्च 2020 में कोरोना वायरस का संक्रमण बढ़ने के बाद लगभग एक साल बाद 16 जनवरी 2021 से टीकाकरण की शुरुआत हुई। मौजूदा समय में तकरीबन 150 मनपा निजी और सरकारी टीकाकरण केंद्रों के माध्यम से वैक्सीनेशन किया जा रहा है। अब तक 18 वर्ष से ऊपर के 92 लाख 36 हजार 500 लोगों का टीकाकरण पूरा हो चुका है। साथ ही स्वास्थ्य कर्मचारियों फ्रंटलाइन वर्कर 60 वर्ष से ऊपर की वरिष्ठ लोगों को मुंबई मनपा की ओर से प्रिकॉशन डोज दी जा रही है। अन्य लोगों के लिए निजी अस्पतालों में प्रिकॉशन डोज (Precaution Dose) की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। मुंबई मनपा की कार्यकारी स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मंगला गोमारे के अनुसार बच्चों के टीकाकरण के लिए आवश्यक प्रतिसाद नहीं मिल पा रहा है। इसलिए मनपा की ओर से तरह-तरह के उपाय किए जा रहे हैं। बच्चों के टीकाकरण को गति देने के लिए सोसायटियों, झुग्गी बस्तियों, निजी विद्यालयों में

ऑनलाइन फ्राड: फर्नीचर का भुगतान मिलने की बजाय खाते से निकल गए साढ़े तीन लाख

मुंबई। 26 वर्षीय एक युवती ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार हो गई। एक व्यक्ति ने उसके खाते से 3.77 लाख रुपये निकाल लिए। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घटना तब सामने आई जब महिला ने मंगलवार को मलाड थाने में शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता एसआरए की इमारत में रहती है और एक पेट्रोलियम कंपनी में कार्यकारी सहायक है। हाल में उसे उसके सीनियर ने उसे कॉल कर कहा कि वह एक ऑनलाइन मंच पर 21 हजार में फर्नीचर बेचना चाहता है। महिला ने सामान बेचने के लिए ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण करवाया। शीघ्र ही, एक साइबर ठग ने उससे संपर्क किया और फर्नीचर खरीदने में रुचि दिखाई। महिला को भुगतान करने के नाम पर, आरोपी ने उसके बैंक खातों का विवरण लिया और खाते से 3.77 लाख रुपये निकाल लिए। इसके बाद पीड़िता ने अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

युवक ने पी लिया जहर, गंभीर हालत में दम तोड़ा

बीड. जिले के धारूर में बसस्टैंड इलाके में एक युवक ने मौत को गले लगा लिया। बताया जा रहा है कि 8 जुलाई शुक्रवार दोहपर के समय 27 वर्षीय युवक ने जहर पी लिया। जिसके बाद उसकी हालत गंभीर हो गई।

जानकारी के अनुसार श्रीकृष्ण चोले आसोला तहसील का रहने वाला है, जो शुक्रवार सुबह गांव से धारूर आया हुआ था। दोहपर के समय बसस्टैंड पर ही उसने जहर पी लिया, बेहोश होने पर कुछ लोग उसे धारूर ग्रामीण अस्पताल ले आए, यहां कुछ घंटो में उपचार के

शिंदे-फडणवीस सरकार के सामने अब कैबिनेट विस्तार की परीक्षा

किसके पास होगा गृह विभाग?

मुंबई: महाराष्ट्र विधानसभा में 4 जुलाई को फ्लोर टेस्ट पास करने के बाद अब एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार को नई चुनौती से गुजरना है। महाराष्ट्र में नई सरकार के गठन के बाद अब बारी कैबिनेट विस्तार की है। सूत्रों के मुताबिक, इस पर काम शुरू हो चुका है और नेताओं से बातचीत जारी है। मंत्रिमंडल विस्तार के दौरान गृह विभाग किसके पास रहेगा, इसे लेकर भी जद्दोजहद जारी है। यह मंत्रालय अमूनन सीएम के पास ही रहता है लेकिन बीजेपी तबके से इसे देवेंद्र फडणवीस को देने की चर्चा चल रही है। गठबंधन में वरिष्ठ सहयोगी के रूप में देवेंद्र फडणवीस की अगुवाई वाली बीजेपी के साथ मंत्रिमंडल विस्तार एकनाथ शिंदे के लिए एक जटिल प्रकिया हो सकती है। दोनों ही तरफ अनुभवी और मंत्रिपद के लिए योग्य उम्मीदवार हैं। मुख्यमंत्री सहित महाराष्ट्र मंत्रिपरिषद

की संख्या 43 है। बीजेपी कोटे से 28 मंत्री बन सकते हैं सूत्रों के अनुसार, कैबिनेट विस्तार पर चर्चा शुरू हो गई है और उम्मीदवारों से बात की जा रही है। कैबिनेट विस्तार की पूरी रूपरेखा तैयार कर ली गई है।

इसके अनुसार, बीजेपी कोटे से 28 मंत्री बनाए जाएंगे जिनमें से 8 राज्यमंत्री होंगे। बीजेपी को गृह, वित्त, पीडब्ल्यूडी, हाउसिंग, ऊर्जा, ग्राम विकास, खेल और राजस्व जैसे अहम मंत्रालय मिल सकते हैं। बीजेपी के अंदरूनी सूत्र के अनुसार, पार्टी के केंद्रीय हाईकमान की कैबिनेट विस्तार में विशेष भूमिका होगी। बीजेपी और शिंदे गुट के बीच सत्ता की हिस्सेदारी सुचारू रूप से सुनिश्चित करने और पूरी प्रक्रिया में किसी भी कमी को दूर करने का ध्यान रखा जाएगा। मेरिट के आधार पर शॉर्टलिस्ट होंगे उम्मीदवार महाराष्ट्र में कैबिनेट विस्तार 2024 लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, मंत्रिस्तरीय पदों के लिए उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट करने के लिए 'मेरिट' एक प्रमुख मानदंड होगा। इसी के साथ क्षेत्रीय और जातिगत फैक्टर भी शिंदे-फडणवीस के मंत्रिमंडल में अहम पैरामीटर होंगे।

किसे मिलेगी गृह विभाग की कमान? बीजेपी के वरिष्ठ पदाधिकारी के अनुसार, 'मुख्यमंत्री विशेषकर गृह विभाग को अपने पास रखते हैं लेकिन चूंकि बीजेपी ने एकनाथ शिंदे को सीएम पद स्वीकार किया है, ऐसे में हम डेप्युटी सीएम देवेंद्र फडणवीस के पास गृह विभाग को रखना चाहेंगे। हालांकि, इन प्रस्तावों के पक्ष और विपक्ष पर चर्चा जारी है, साथ ही सेंट्रल हाईकमान से अंतिम मंजूरी का भी इंतजार है।' शिंदे गुट की अलग राय महाराष्ट्र के नवगठित गठबंधन के अंदर दो मत सामने आ रहे हैं। शिवसेना के बागी गुट के एक वर्ग का मानना है कि 'अगर शिंदे को उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना से लड़ने और खत्म करने का बड़ा काम सौंपा गया है, तो क्या उन्हें गृह विभाग सौंपने से मदद नहीं

महाराष्ट्र के कई जिलों में भारी बारिश का रेड अलर्ट

मुंबई: मुंबई समेत महाराष्ट्र के कई इलाकों में बारिश का कहर जारी है। यहां लगातार छह दिनों से बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने आगामी पांच दिन तक राज्य में मॉनसून के सर्वाधिक सक्रिय रहने का अनुमान लगाया है। इसका सबसे अधिक असर कोकण और मध्य महाराष्ट्र पर पड़ेगा। इस दौरान कोकण और मध्य महाराष्ट्र में भारी बारिश के साथ विदर्भ, मराठवाडा में भी तेज बारिश हो सकती है। रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग में 9 जुलाई तक रेड अलर्ट जारी किया गया है वहीं पालघर, पुणे, कोल्हापुर और सतारा में 8 जुलाई तक रेड अलर्ट जारी किया गया है। मुंबई और ठाणे 10 जुलाई तक ऑरेंज अलर्ट पर हैं। आईएमडी ने मुंबई, ठाणे, पालघर और आसपास भी आगामी अगले कुछ दिन के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बुधवार को सांताक्रुज वेदर ब्यूरो में 193 एमएम और कोलाबा में 84 एमएम बारिश दर्ज की गई। इस मॉनसून सीजन में अब तक सांताक्रुज में कुल 926 एमएम और कोलाबा में 842 एमएम बारिश दर्ज की गई है। मॉनसून

के जोर पकड़ते ही तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। सांताक्रुज में अधिकतम तापमान 26.7 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि कोलाबा में अधिकतम 27 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात मूसलाधार बारिश से ग्रामीण इलाकों से लेकर शहरों तक की सड़कों पर चार-चार फीट पानी भर जाने से यातायात पूरी तरह ठप रहा। नदी-नाले उफान पर हैं और कई गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति देखने को मिली। बुधवार को सड़कों से ऑटो रिक्शे गायब रहे। इस वजह से लोगों को घुटने तक के पानी मे पैदल ही स्टेशन आना पड़ा। वसई-विरार के निचले इलाकों में भारी जलभराव से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। दुकानों व घरों में पानी घुसने से लोगों का काफी नुकसान हुआ है।

मनपा ने अधिक जलभराव वाले क्षेत्रों में पंप लगाए हैं। लेकिन उससे भी कोई फायदा नहीं मिला। लगातार तेज बारिश की वजह से पानी कम नहीं हो रहा है। वसई, नालासोपारा व विरार की कई हाई प्रोफाइल सोसायटियों में दो-दो फीट पानी भर गया है। मुंबई के गड्ढे कर रहे परेशान मुंबई में लगातार बारिश से कई इलाकों में पानी भरा है। बुधवार को बारिश की वजह से काम के सिलसिले में मुंबई आने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ा। दोपहर बाद बारिश रुकने से लोगों ने राहत की सांस ली। बारिश और सड़कों पर गड्ढों की वजह से मुंबई में ट्रैफिक की रफ्तार धीमी रही। वहीं, मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले कुछ दिनों तक मुंबई में भारी बारिश हो सकती है। ऐसे में, मुंबईकरों को बारिश की परेशानियों से राहत की उम्मीद फिलहाल कम ही है। मुंबई शहर में बुधवार को बीते 24 घंटों में 107 एमएम बारिश दर्ज की गई, जबकि पूर्व उपनगर में 171.68 एमएम और पश्चिम उपनगर में 152 एमएम बारिश हुई। बुधवार को मुंबई की पूर्व मेयर किशोरी पेडणेकर बीएमसी डिजास्टर कंट्रोल रूम पहुंचीं शहर की स्थिति का जायजा लिया। धीमी गति से निकला पानी मुंबई शहर के सायन सर्कल, सायन अस्पताल, दादर टीटी, हिंदमाता, हिंदू कॉलोनी सहित अन्य इलाकों में जलजमाव की स्थिति रही। यहां से धीमी गति से पानी निकल रहा था। इसी तरह पूर्वी उपनगर में घाटकोपर स्टेशन, मानखुर्द स्टेशन, कल्पना सिनेमा, छेड़ा नगर, पोस्टल कॉलोनी, कुर्ला स्टेशन, मानखुर्द सब-वे आदि स्थानों पर पानी लगा रहा। पश्चिम उपनगर में अंधेरी सब-वे, अंधेरी मार्केट, खार सब-वे, नैशनल कॉलेज और दहिसर सब-वे में पानी लगा। बीएमसी का दावा है कि यहां से कुछ घंटों के भीतर ही पानी निकल गया। बारिश की वजह से मुंबई में 18 स्थानों पर घर या दीवार गिरने का कॉल बीएमसी डिजास्टर मैनेजमेंट को आया, जबकि 34 स्थानों पर पेड़ और डाली गिरने और 20 जगह से शॉर्ट सर्किट की शिकायत मिली। चूनाभट्टी में भूस्खलन, 3 घायल बारिश की वजह से सायन के चूनाभट्टी एरिया में हुए भूस्खलन में तीन लोग घायल हो गए। चूनाभट्टी में स्वदेशी मिल के पास नागोबा चौक पर भूस्खलन हुआ, जिसकी चपेट में एक मंजिला झोपड़पट्टी आग गई, जिसकी वजह से एक ही परिवार के तीन लोग घायल हो गए। घायलों में शुभम सोनवणे (15), प्रकाश सोनवणे (40) और सुरेखा वीरकर (20)

आराम करना इतना महत्वपूर्ण क्यों है

हिरल शाह

इसमें कोई शक नहीं कि आज की आधुनिक जीवनशैली तनावपूर्ण हो सकती है। काम, परिवार और सामाजिक दायित्वों के बीच, अपने लिए समय निकालना कठिन हो सकता है। लेकिन समय निकालना महत्वपूर्ण है।

आराम करने से आपको अपने शरीर और दिमाग दोनों को स्वस्थ रखने में मदद मिल सकती है, जिससे आपको रोज़मर्रा के तनावों से उबरने में मदद मिलती है जो जीवन आप पर फेंकता है। सौभाग्य से, आप कितने भी व्यस्त क्यों न हों, यह सीखना आसान है कि द्रुतशीतन के लिए समय कैसे बनाया जाए और यह भी कि सबसे अच्छा आराम कैसे किया जाए।

तनाव रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा है। यह एक सहायक चीज हो सकती है जो लोगों को कार्य करने के लिए प्रेरित करती है, और यहां तक कि एक खतरनाक स्थिति में आपके जीवन को भी बचा सकती है। हमारे द्वारा अनुभव किए जाने वाले अधिकांश तनाव छोटे होते हैं, जैसे किसी पार्टी के रास्ते में ट्रैफ़िक में फंस जाना या काम करने के लिए ट्रेन में एक बाली खो जाना।

हमारे जीवन में इन छोटी तनावपूर्ण घटनाओं से हमें जो सहायक "लड़ाई-या-उड़ान" वृत्ति मिलती है, अगर हम आराम करने के लिए समय नहीं लेते हैं तो हम पर उल्टा पड़ सकता है। आराम न केवल अच्छा लगता है, यह अच्छे स्वास्थ्य के लिए भी महत्वपूर्ण है।

यदि आप आराम करने के लिए समय नहीं निकालते हैं, तो काम, परिवार, सामाजिक दायित्वों और यहां तक कि व्यायाम से तनाव आपको समय के साथ खत्म कर देगा। पर्याप्त आराम न करने के कुछ नकारात्मक प्रभावों में शामिल हैं:

आराम करने के आसान तरीके

जब विश्राम रणनीतियों की बात आती है, तो जितना आसान होगा उतना ही बेहतर होगा! यदि आप अपने दिन के पांच मिनट अपने लिए निकाल सकते हैं, तो आप आसानी से एक साधारण विश्राम रणनीति में फिसल सकते हैं। आराम करने में मदद करने के कुछ आसान तरीके यहां दिए गए हैं:

इसे सांस छोड़ें।

साँस लेने के व्यायाम सबसे सरल विश्राम रणनीतियों में से एक हैं, और किसी भी समय कहीं भी आपके तनावग्रस्त शरीर और दिमाग को प्रभावी ढंग से शांत कर सकते हैं। शांत और सुरक्षित जगह पर बैठें या लेटें जैसे कि अपने बिस्तर या अपने घर के फर्श पर और अपना एक हाथ अपने पेट पर रखें। तीन की धीमी गिनती में सांस लें, और फिर तीन की धीमी गिनती में सांस छोड़ें। सांस लेते और छोड़ते समय अपने पेट को ऊपर और नीचे महसूस करें। पांच बार दोहराएं, या जब तक आपको आराम महसूस करने की आवश्यकता हो।

शारीरिक तनाव छोड़ें।

जब हम मानसिक रूप से तनावग्रस्त महसूस करते हैं, तो हम अक्सर शारीरिक रूप से भी तनावग्रस्त महसूस करते हैं। किसी भी शारीरिक तनाव को दूर करने से आपके शरीर और दिमाग में तनाव को दूर करने में मदद मिल सकती है। एक नरम सतह पर लेटें, जैसे कि आपका बिस्तर, एक कालीन, या एक योग चटाई। एक समय में अपने शरीर के एक हिस्से को तनाव दें, और फिर धीरे-धीरे अपनी मांसपेशियों को छोड़ दें। ऐसा करते समय, ध्यान दें कि आपके शरीर की संवेदनाएं कैसे बदलती हैं। बहुत से लोग या तो अपने चेहरे की मांसपेशियों से या अपने पैर की उंगलियों से शुरू करते हैं, और फिर अपने शरीर की मांसपेशियों के माध्यम से विपरीत छोर तक अपना काम करते हैं। योगा मैट की खरीदारी करें

अपने विचार लिखिए।

चीजों को लिखकर अपने दिमाग से निकालने से आपको आराम करने में मदद मिल सकती है। जब आप तनाव महसूस करते हैं, तो आप कैसा महसूस कर रहे हैं या आपका दिन कैसा चल रहा है, इस बारे में कुछ संक्षिप्त नोट्स लिखने के लिए कुछ मिनट निकालें। आप इसे नोटबुक में या अपने स्मार्टफ़ोन पर नोट्स ऐप में कर सकते हैं। काव्यात्मक होने या सब कुछ सही ढंग से लिखने के बारे में चिंता न करें। अपने कुछ तनाव को दूर करने में मदद करने के लिए बस खुद को व्यक्त करने पर ध्यान दें। एक पत्रिका के लिए खरीदारी करें

प्रकृति से जुड़ें।

जब आप तनाव महसूस करते हैं तो प्रकृति में कुछ मिनट बिताने से आपको आराम करने में मदद मिल सकती है। जब आप तनाव महसूस कर रहे हों, तो बाहर एक कदम उठाएं और थोड़ी देर टहलने जाएं, या बस प्रकृति में बैठें। लेकिन इसके तनाव कम करने वाले प्रभावों को महसूस करने के लिए आपको प्रकृति में होने की आवश्यकता नहीं है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि कंप्यूटर स्क्रीन पर केवल पांच मिनट के लिए हरियाली के साथ प्रकृति की छवियों को देखने से आपको शांत होने में मदद मिल सकती है। इसलिए, प्रौद्योगिकी के लिए धन्यवाद, यहां तक कि प्रकृति से दूर बड़े शहरों में रहने और काम करने वाले लोग अभी भी इसके शांत प्रभावों का अनुभव कर सकते हैं।

आ रहा है डेंगू-चिकनगुनिया बुखार का मौसम, पहले से ही इन उपायों को करके रहें सुरक्षित

चार्ल्स पटेल

मानसून के इस मौसम में कई तरह की बीमारियों का जोखिम काफी बढ़ जाता है। यह मौसम, मच्छर जनित रोगों के जोखिम के लिए भी जाना जाता है। विशेषज्ञ कहते हैं, मानसून का यह मौसम मच्छरों के प्रजनन के लिए काफी अनुकूल होता है जिसके कारण डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया

जैसी कई तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इन बीमारियों का अगर समय रहते इलाज न हो पाए तो इसके कारण मृत्यु का खतरा भी हो सकता है। यही कारण है कि सभी लोगों को मच्छर जनित इन बीमारियों से बचाव को लेकर विशेष सावधानी बरतते रहने की सलाह दी जाती है।

विशेषज्ञ कहते हैं, मानसून के इस मौसम में कुछ सावधानियों को ध्यान में रखकर डेंगू और चिकनगुनिया जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव किया जा सकता है। इसके लिए सबसे आवश्यक है मच्छरों के प्रजनन को रोकना। वहीं जिन लोगों में इस तरह की समस्याएं हो जाती हैं, उन्हें तुरंत डॉक्टर से संपर्क करके इसका इलाज कराना चाहिए। आइए जानते हैं कि डेंगू-मलेरिया के जोखिम को कम करने और स्वास्थ्य के बेहतर बनाए रखने के लिए इस मौसम में किन बातों का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए?

मच्छरों से बचाव वाले उपाय करें

डेंगू-चिकनगुनिया जैसी मच्छरों के कारण होने वाली बीमारियों से बचाव के लिए स्वयं से सुरक्षात्मक उपाय करते रहना सबसे आवश्यक माना जाता है। इसके लिए आप मच्छर भगाने वाली क्रीम या फिर सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग कर सकते हैं। इन उपायों को प्रयोग में लाकर आप मच्छर काटने से बचाव कर सकते हैं। मच्छरदानी के प्रयोग को विशेषज्ञ सबसे प्रभावी उपाय के तौर पर मानते हैं।

मच्छरों को पनपने से रोकने के उपाय करें रुका हुआ पानी, मच्छरों के प्रजनन के लिए सबसे उपयुक्त होता है, ऐसे में पानी के जमाव को होने से बचाएं। फूलों के बर्तनों, पालतू जानवरों के पानी के कटोरे,सेप्टिक टैंक या फिर कूलर के पानी को समय-समय पर बदलते रहें। ध्यान रहे, मच्छर हमेशा साफ और रुके हुए पानी में ही पनपते हैं, ऐसे में जल जमाव को रोकें। डेंगू-चिकनगुनिया से बचाव के लिए यह उपाय प्रभावी हो सकते हैं।

पूरी आस्तीन के कपड़े पहने

मच्छरों के काटने से बचने के लिए पूरी आस्तीन वाले पैंट-शर्ट पहनें। आपकी त्वचा जितनी कम खुली होगी, मच्छरों के काटने से उतना ही अधिक बचाव किया जा सकेगा। विशेषज्ञ मच्छरों से बचाव के लिए हल्के रंग के कपड़े पहनने की भी सलाह देते हैं। जिन स्थानों पर डेंगू-चिकनगुनिया का प्रकोप अधिक हो वहां पर जाने से बचें। मच्छरों के काटने से बचाव के उपाय करते रहना बहुत आवश्यक है।

लक्षणों को पहचानें

गंभीर बीमारी से बचे रहने के लिए डेंगू-चिकनगुनिया के लक्षणों को पहचानना और समय पर इसका इलाज किया जाना आवश्यक माना जाता है।

वयस्कों में, लक्षण आमतौर पर मच्छर काटने के 4-5 दिन बाद शुरू होते हैं। डेंगू के लक्षण तेज बुखार, सिरदर्द, मतली, उल्टी या त्वचा पर दाने के रूप में होते हैं। कई लोगों में एक या दो सप्ताह में बुखार ठीक हो जाता है, हालांकि जिनकी इम्युनिटी कमजोर है उनमें इसके गंभीर रोग के विकसित होने का जोखिम हो

शरीर में सूजन को न लें हल्के में, इन गंभीर स्थितियों का भी हो सकता है संकेत, लापरवाही पड़ सकती है भारी

रंजनबेन मसोया

शरीर में कुछ बीमारियों-स्थितियों की प्रतिक्रिया में सूजन की दिक्कत हो सकती है। ऐसे संकेतों को गंभीरता से लेने की आवश्यकता होती है, क्योंकि कुछ स्थितियों में यह बड़ी समस्याओं का संकेत भी हो सकती है। डॉक्टर बताते हैं, शरीर के किसी अंग या फिर त्वचा का सामान्य से बड़ा हो जाना सूजन को दर्शाता है। कीड़े के काटने, बीमारी या चोट लगने की प्रतिक्रिया के स्वरूप भी यह समस्या हो सकती है।

कई बार आंतरिक चोट, किसी दवा का साइड इफेक्ट या संक्रमण की स्थिति भी सूजन का कारण बन सकती है, यही कारण है कि इस समस्या पर विशेष ध्यान देते रहने की आवश्यकता होती है।

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि कुछ बीमारियों के कारण भी सूजन की स्थिति बनी रह सकती है, इसे एक संकेत के तौर पर भी देखा जाना चाहिए। सूजन चेहरे, पेट, त्वचा, आंख जैसे कई अंगों में हो सकती है। बोस्टन चिल्ड्रन हॉस्पिटल के अनुसार, हृदय, लिवर और किडनी की बीमारियों के कारण शरीर के विभिन्न हिस्सों में सूजन आ सकती है। ऐसे में सूजन की समस्या को हमेशा गंभीरता से नोटिस करें। आइए जानते हैं कि किन स्थितियों में शरीर में सूजन हो जाती है, यह स्थितियां कितनी गंभीर हो सकती है?

चोट के कारण शरीर में सूजन

शरीर में होने वाली सूजन की समस्या कभी-कभी इंफ्लामेशन या चोट के कारण भी हो सकती है। जब शरीर का कोई हिस्सा चोटिल हो जाता है तब प्रतिरक्षा प्रणाली इंफ्लामेटरी रिस्पॉस के माध्यम से चोट को ठीक करने और संक्रमण से बचाने में मदद करती हैं। इस तरह से इंफ्लामेटरी रिस्पॉस के कारण प्रभावित हिस्से में सूजन की समस्या देखी जा सकती है। इस तरह के सूजन को कम करने के लिए डॉक्टर गर्म या ठंडी सेकाई करने की सलाह देते हैं। सूजन की समस्या आंतरिक रूप से भी हो सकती है। हृदय, लिवर और किडनी की बीमारियों के कारण इन अंगों सहित शरीर के अन्य हिस्सों में सूजन हो सकती है। इस तरह के सूजन की स्थिति में अन्य कई प्रकार के लक्षण जैसे तेज खांसी, अत्यधिक थकान, सांस लेने में दिक्कत जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इन स्थितियों में शीर्ष चिकित्सकीय सहायता की आवश्यकता होती है। पैरों में सूजन बने रहने के कई कारण हो सकते हैं। सामान्यतौर पर गर्भावस्था, लंबे समय तक खड़े रहना, पैर की नसों की समस्या, दिल की धड़कन से

बारिश में पत्तेदार सब्जियों का सेवन हो सकता है नुकदायक

भारतीय भोजन विविधताओं से भरा है। जहां दुनिया भर में बड़ी तादाद में मंसाहार किया जाता है। भारत में केवल शाकाहारी भोजन की ही कई हजार वैरायटीज हैं। बल्कि ये शाकाहार अब बड़े पैमाने पर विदेशियों को भी लुभा रहा है। हमारे देश मे तो इस शाकाहार के लिए भी अलग अलग मौसमों और स्थितियों के हिसाब से व्यंजन होते हैं। खासकर बारिश के मौसम में भोजन के तौर तरीके एकदम बदल जाते हैं और रसोई में आ जाती है लौकी,गिलकी, कद्दू, आदि की बहार। यही नहीं हमारे बुजुर्ग इस मौसम में कई सब्जियों से दूरी बनाने की परम्परा धार्मिक स्तर पर भी बताते हैं। रोटी-सब्जी-दाल-चावल भारतीय भोजन का अहम हिस्सा है। इनमे से भी देश के अलग हिस्सों में रोटी और चावल ऑप्शनल हो सकते हैं लेकिन सब्जी और दाल कॉमन है। सब्जियों के प्रयोग को लेकर भी हमारे देश मे कई नियम कायदे हैं। जैसे कि बारिश के दिनों में पत्तेदार सब्जियों का प्रयोग न करना। आखिर क्यों बारिश में काम में नहीं लाई जातीं कुछ सब्जियां, क्या हो सकते हैं इनके नुकसान जानिए।

बारिश में बदली रसोई

मानसून आने के पहले ही देश के कई हिस्सों में इस विशेष चौमासे की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। हालाँकि अब बारिश के महीने और समय पहले की तरह नहीं रहा क्योंकि आजकल बारिश कभी भी हो सकती है। लेकिन मुख्यतः जून-जुलाई से सितंबर तक के महीने में खान-पान को लेकर कई बदलाव पारम्परिक तौर पर हमारे यहाँ किये जाते हैं और इसमें सबसे बड़ा परिवर्तन होता है सब्जियों से जुड़ा। सर्दी के मौसम को हरी-पत्तेदार सब्जियों के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है तो बारिश को इनके लिए सबसे अनुपयुक्त कहा जाता है। यही कारण है कि ज्यादातर घरों में पालक, मैथी, साग, पत्तागोभी और यहाँ तक कि फूलगोभी और बैंगन भी बैन हो जाते हैं। ये बैन केवल परम्परा का ही हिस्सा नहीं है। इसके पीछे बकायदा विज्ञान भी है।

क्या है कारण?

बदलता मौसम हमेशा बीमारियों का अंदेशा भी साथ लेकर आता है। खासकर बारिश के आने के पहले तेज धूप और उसके साथ बनने वाली नमी मिलकर पसीने व चिपचिपेपन के साथ त्वचा के लिए तो मुश्किल खड़ी करती ही है। तापमान में होने वाली इस घटत-बढ़त से शरीर सामंजस्य बैठाने का प्रयास करता है। दूसरी तरह पानी गिरने के बाद पैदा होने वाले बैक्टीरिया और जर्म्स मिलकर प्रदूषित पेयजल आदि का कारण भी बन जाते हैं। बारिश के कारण पानी पीने में भी कम आता है और भोजन के पचने की प्रक्रिया में भी बदलाव आने लगता है। यही कारण है कि इस मौसम में सर्दी-खांसी, बुखार, पेट संबंधी समस्याएं जैसे फ़ूड पॉइजनिंग, उलटी-दस्त, जोड़ों में अकड़न आदि बढ़ जाते हैं। इन सबमें भोजन का संतुलन बहुत जरूरी होता

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : सप्ताह का प्रारंभ किसी यात्रा से हो सकता है। बहुत दिनों से जो काम टल रहे थे, वे गति पकड़ने वाले हैं। कार्य की अधिकता जरूर रहेगी लेकिन सारे कार्य हो जाएंगे। नौकरीपेशा को भागदौड़ रहेगी, कारोबारियों को लाभ की स्थिति बनेगी। रिश्तों में मिठास बनी रहेगी। इस राशि के कुछ लोगों को नए प्रेम प्रस्ताव मिलेंगे।

वृषभ : पारिवारिक रिश्तों को लेकर थोड़े सतर्क रहें। लोगों की आपसे काफी अपेक्षाएं हैं इसलिए उन्हें वक्त भी देना होगा। परिवार में कोई मांगलिक प्रसंग आएगा। उत्साह बना रहेगा। जॉब-बिजनेस में लाभ के अवसर आएंगे। तरक्की होगी। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। पुराने दिनों से चली आ रही परेशानियां काफी हद तक कम होंगी।

मिथुन : धैर्य और संयम का शुभ परिणाम मिलने वाला है। बहुत दिनों से किसी कार्य के पूरा होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं वह होने वाला है। आर्थिक क्षेत्र में किसी नई योजना पर काम शुरू करेंगे। बिजनेस में तरक्की और विस्तार के अवसर आएंगे। नौकरी में प्रमोशन की संभावना है। पारिवारिक समागम, मेलजोल बना रहेगा। स्वास्थ्य सुधार पर है।

कर्क : शारीरिक मानसिक से मजबूती वाला रहेगा यह सप्ताह। संतान पक्ष को लेकर कड़े निर्णय लेने पड़ सकते हैं। उनके कार्यो पर नजर भी रखनी होगी किकोई गलत रात न पकड़ लें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर सजग रहें। पैसों की आवक भरपूर होगी लेकिन खर्च की स्थिति भी बन रही है।

सिंह : सप्ताह का प्रारंभ किसी शुभ समाचार से होगा। आर्थिक दृष्टि से सप्ताह अत्यंत शुभ है। भूमि, संपत्ति की खरीदी-बिक्री से संबंधित कार्य से लाभ प्राप्त करेंगे। रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। कारोबार को आगे बढ़ाने में किसी स्वजन का सहयोग मिलेगा। मित्रों के साथ थोड़ा मनमुटाव हो सकता है लेकिन बात बिगड़ने से पहले संभाल लेंगे।

कन्या : अपने कार्यो को अंजाम तक पहुंचाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। पुराने बिगड़े हुए काम पटरी पर आने वाले हैं। बिजनेस गति पकड़ेगा और नौकरीपेशा को उच्चाधिकारियों से प्रशंसा मिलेगी। धैर्य और संयम के साथ कोई कार्य करेंगे तो उसमें निश्चित रूप से तरक्की मिलने वाली है। आर्थिक मजबूती की ओर बढ़ेंगे।

तुला : आपके भौतिक सुखों में वृद्धि होने वाली है। आभूषण, वस्त्र आदि खरीदेंगे। किसी पारिवारिक समारोह में जाने का अवसर आएगा। संपत्ति को लेकर चल रहा विवाद निपटाने की ओर है। सप्ताह के मध्य में किसी विशेष व्यक्ति से भेंट होगी। बिजनेस के लिए लोन लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य थोड़ा गड़बड़ हो सकता है।

वृश्चिक : अपने मन को शांत रखें और सोच समझकर निर्णय लें। किसी के बहकावे में आकर या देखादेखी कोई काम न करें वरना नुकसान उठाना पड़ सकता है। तरक्की के रास्ते सामने हैं बस जरूरत है उन्हें पहचानने की। किसी भी काम की हड़बड़ी न करें। नौकरी बिजनेस उत्तम रहेगा। स्वास्थ्य भी इस हफ्ते अच्छा रहेगा।

धनु : आर्थिक प्रबलता आपके पक्ष में हैं। जो भी काम करेंगे उसमें सफलता निश्चित है। इसलिए घबराएं नहीं, खुद पर आत्मविश्वास रखें और आगे बढ़ें। नौकरी में तरक्की, बिजनेस में विस्तार, बेरोजगारों को रोजगार के अवसर आएंगे। विद्यार्थियों को फोकस पढ़ाई पर रखना है। पिता या पिता तुल्य व्यक्ति की बात मानें और फॉलो करें।

मकर : बहुत दिनों से किसी काम के होने का रास्ता देख रहे थे वह होने वाला है। पैसों की भरपूर आवक होगी लेकिन ध्यान रखें खर्च सोच समझकर करें। व्यर्थ के कार्यो पर पैसा और समय नष्ट न करें। पारिवारिक मेलजोल बढ़ेगा। किसी काम को करने की जल्दबाजी न करें। माता-पिता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा।

कुंभ : मौज-मस्ती भरा सप्ताह रहेगा। पारिवारिक समागम, मित्रों के साथ घूमने-फिरने का अवसर आएगा। स्वयं का भवन, वाहन खरीदने का योग है। आर्थिक मजबूती रहेगी। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा लेकिन जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी के बहकावे में आकर काम न करें। कार्य विस्तार के लिए किसी मित्र का सहयोग लेना पड़ेगा।

मीन : पद और पैसा प्राप्त होगा। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की के अवसर आएंगे। कारोबारियों को लाभ और विस्तार के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। माता-पिता का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। पर्यटन का अवसर आएगा। अविवाहितों के विवाह की बात बनेगी।

चुटकुले

बीवी - अगर मेरी शादी किसी राक्षस से हो जाती तो भी
इतना दुखी न होती, जितनी तुम्हारे साथ हूं
पति - पगली! खून के रिश्तों में कहां शादी होती है..........
फिर क्या पतिदेव की हो गई जोरदार कुटाई

लड़कियों का क्या है...
वो तो यूट्यूब पर रेसिपी देखकर छोले भटूरे,
चाउमीन सब बना लेंगी
असली परेशानी तो लड़कों को है, जिन्हें पान मसालाकी रेसिपी ही नहीं मिल रही

सीरियल एंटरप्रेन्योर सतीश सनपाल को दुबई में स्टाइलिश मिड-डे आइकॉनिक एंटरप्रेन्योर 2022 अवार्ड मिला

Satish Sanpal, Owner of Vii Dubai and Sanpal Developments shared the stage with Isha Koppikar, Pooja Chopra and Vivek Oberoi

हाल ही में मिड-डे इंटरनेशनल रिटेल एंड लाइफस्टाइल आइकॉन 2022 के दुबई एपिसोड में स्टाइलिश मिड-डे आइकॉनिक एंटरप्रेन्योर के रूप में सम्मानित, सतीश संपाल अद्भुत नाइट क्लब Vii दुबई के पीछे हैं। वह सनपाल डेवलपमेंट्स के नाम से कंस्ट्रक्शन बिजनेस में भी हैं।

"सफलता अंत नहीं है, असफलता घातक नहीं है, यह आगे बढ़ने का साहस है, जो मायने रखता है। मैंने कभी सफलता के बारे में सपना नहीं देखा, मैंने इसके लिए काम किया और इसलिए मुझे मिड-डे इंटरनेशनल रिटेल एंड लाइफस्टाइल के रूप में सम्मानित होने पर बहुत गर्व महसूस हो रहा है। आइकन 2022," सतीश सानपाल कहते हैं, वीआई दुबई और सानपाल डेवलपमेंट्स के मालिक। उन्हें ईशा कोप्पिकर, पूजा चोपड़ा और विवेक ओबेरॉय की उपस्थिति में मंच पर स्टाइलिश आइकॉनिक एंटरप्रेन्योर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

स्टाइलिश उद्यमी सतीश संयुक्त अरब अमीरात में कुलीन कॉर्पोरेट सर्किलों में एक प्रसिद्ध पृष्ठ 3 सेलिब्रिटी हैं, जिनके अमीरात में उनके व्यापारिक हित हैं, रेस्तरां और क्लब के मालिक हैं और निर्माण व्यवसाय में भी हैं।

वह इस मान्यता का श्रेय विशुद्ध रूप से अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपने दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत को देते हैं, "भाग्य एक पेशेवर के करियर में एक निश्चित सीमा तक मदद करता है, लेकिन अंत में जो चीज आपको जल्द या बाद में पुरस्कृत करती है, वह है आपके द्वारा किए गए विश्वास, दृढ़ संकल्प और दृढ़ता के कभी न खत्म होने वाले प्रयास। अपने उद्देश्य में रखो," सतीश ने अपनी सफलता के पीछे के रहस्य का खुलासा किया।

उनके कार्यालय में कई प्रेरणादायक उद्धरण प्रदर्शित किए गए जैसे - 'एक कार्यालय एक ऐसी जगह है जहाँ सपने सच होते हैं' और दूसरा 'एक दिन आप पीछे मुड़कर देखेंगे और हार न मानने के लिए खुद को धन्यवाद देंगे'। एक दिन या एक दिन - आप तय करें'। सतीश ने अपने व्यक्तिगत प्रेरणादायक नोट के साथ समाप्त किया, "जब आप एक

अमेज़ॉन प्राइम पर रिलीज़ हुई "हनीमून डायरीज़" में अपनी बेहतरीन अदाकारी से चर्चा में आईं ग्लैम गर्ल विनी राणा

बॉलीवुड में पहले से ही स्थापित कई अभिनेत्रियाँ हैं। लेकिन बहुत ही खूबसूरत विनी राणा एक नवोदित अभिनेत्री हैं, जो बॉलीवुड जगत में असाधारण प्रतिभा की धनी हैं। अनलिमिटेड

क्यूटनेस की मल्लिका विनी बेहद प्रतिभाशाली हैं जो बॉलीवुड में ताजा हवा के एक झोंके के रूप में उभरी हैं, जो हाल ही में अमेज़ॉन प्राइम पर रिलीज़ हुई हनीमून डायरीज़ में अपनी उत्कृष्ट भूमिका के लिए सुर्खियों में आई।

"मैं बचपन से टीवी धारावाहिक और फिल्में देखती रही हूं और शुरू से एक कुशल और लोकप्रिय अभिनेत्री बनना चाहती हूं। मुझे खुशी है कि मेरे लिये सही जगह मुंबई है।" खुश दिखने वाली विनी ने कहा।

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फर नगर से सपनों के शहर मुंबई तक का सफर उनका कैसा रहा? वह कहती हैं "संघर्ष प्रक्रिया के बावजूद यह एक सुंदर यात्रा रही है। मुंबई सभी को गले लगाती है। आपको ध्यान केंद्रित करना चाहिए और धैर्य रखना चाहिए। अपनी कड़ी मेहनत और थोड़ी सी किस्मत के साथ आप अपने सपनों को साकार कर सकते हैं।"

विनी ने बताया, "नियमित रूप से वर्कआउट करने और डांस क्लासेस और डिक्शन क्लासेस में शामिल होने से मुझे बहुत मदद मिली है।"

बॉलीवुड में उस सपने को पूरा करने की कोशिश कर रही ढेरों अभिनेत्रियों के बीच प्रतिस्पर्धा के बारे में, एक बेफिक्र विनी ने कहा कि हर क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा है। "जितनी अधिक प्रतिस्पर्धा होती है, आप अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उतनी कड़ी मेहनत करना चाहते हैं। आप युद्ध के मैदान से भाग नहीं सकते," विनी ने आत्मविश्वास के साथ कहा, जो पहले से ही दो अच्छे म्युज़िक वीडियो में काम कर चुकी है, तू धूप मैं धुआँ और यु बेकरारी। वह नियमित कैटलॉग और प्रिंट शूट एड् करती हैं।

नियमित कसरत और ध्यान के साथ विनी एक पूर्ण फिटनेस फ्रिक हैं। सुंदरता और बहुमुखी प्रतिभा के लिए माधुरी दीक्षित उनकी पसंदीदा अभिनेत्री हैं "जो किसी भी तरह की भूमिका में फिट हो सकती हैं।"

अपने पसंदीदा रेस्टोरेंट के बारे मे विनी का कहना है कि यह पॉप टेट्स, 7 बंगले मे भोजन और माहौल अच्छा होता है।

अभिनेता नीरज भारद्वाज भोपाल में रच रहे है, 'साज़िश'

भोपाल में वेब सिरीज़ 'साज़िश' की शूटिंग कर रहे है नीरज भारद्वाज

फ़िल्म व टीवी के दिग्गज व मशहूर अभिनेता नीरज भारद्वाज भोपाल के कलुआ खुर्द में वेब सीरीज़ 'साज़िश' की शूटिंग कर रहे हैं, जोकि जल्द ही डिज़्नी हॉट स्टार पर आएगा।इसके निर्माता कर्नल एस. एस पटनायक है और निर्देशक हीरालाल खत्री है। जिसके बारे में नीरज भारद्वाज कहते हैं,"मै इसमें शहर के नामी वकील अभय प्रताप सिंह का रोल कर रहा हूँ। जो कि विलेन शाहबाज खान के भाई को सज़ा दिलवाता है। उसके बाद शाहबाज़ खान मेरे परिवार् के ऊपर काफी जुल्म करता है और मैं कुछ नहीं कर पाता हूं। उसके बाद साज़िश रची जाती है और उसके बाद क्या और कैसे होता है?वो तो अभी राज़ है। इसमें मेरा रोल कुछ अलग हटकर है, उम्मीद करता हूं कि लोगों को जरूर पसंद आएगा,और पहले की तरह मै दर्शक को अपने परफॉरमेंस से ज़रूर दिल में जगह बना पाऊंगा।" वेब सिरीज़ 'साज़िश' के मुख्य कलाकार नीरज भारद्वाज,मुग्धा गोडसे,शाहबाज़ खान, रज़ा मुराद, मुस्ताख़ खान और हीरो देव मनारिया हैं। इसके स्क्रीनप्ले व संवाद विनोद वत्स,विकास वशिष्ठ व अजय है।इसके कैमरामैन मनीष व्याश व अमर व्यास है,संगीत मनीष भानूशाली हैं।इसके निर्माता कर्नल एस एस पटनायक , सह निर्माता देव मनारिया व कार्यकारी निर्माता अनु मद्रासी हैं। यह जल्द ही डिज़्नी हॉटस्टार पर आएगा। इसकी शूटिंग भोपाल में चल रही है, इसके बाद बड़ोदरा में होगी। वैसे नीरज् भारद्वाज् कि जल्द ही एक वेबसीरीज मडगॉव मर्डर केस आप लोगों के बीच आनेवाली है।उसकी शूटिंग पुरी हो चुकी है।उसमें नीरज भारद्वाज

अरुण बख्शी हिन्दी फिल्म "48 कोस" में अभिनेता, गायक और संगीतकार के रूप में !

फ़िल्म के सांग व ट्रेलर लांच पर पंकज बेरी के साथ अरुण बख्शी रहे उपस्थित अरुण बख्शी न केवल एक बेहतरीन एक्टर हैं बल्कि शानदार संगीतकार और गायक भी हैं। बॉलीवुड की ढेरों फिल्मों में उन्होंने हिट गाने दिए हैं। आसमान को धरती पर लाने वाला चाहिए जैसे गीतों से मशहूर अरुण बख्शी अब फ़िल्म 48 कोस में न सिर्फ बतौर ऐक्टर नजर आएंगे बल्कि संगीतकार और गायक के रूप में भी उन्होंने इस फ़िल्म के लिए काम किया।

लेखक, निर्माता, निर्देशक राजिंदर वर्मा 'यशबाबू' की यह हिंदी फिल्म 48 कोस 8 जुलाई को रिलीज हो रही है। मुंबई में यश बाबू की हिन्दी फिल्म "48 कोस" का एक गाना और ट्रेलर लांच किया गया तो यहां अरुण बख्शी, पंकज बेरी, राजेश बब्बर भी उपस्थित थे। फ़िल्म का ट्रेलर काफी दमदार है और गाना अरुण बख्शी ने कम्पोज़ किया और गाया है, जिसमे उनकी अदाकारी भी देखने लायक है।

खास बात यह है कि अरुण बख्शी अपना हर एक गाना लता मंगेशकर जी के स्टूडियो में रिकॉर्ड करते हैं। जहां क्वालिटी भी मिलती है और दुआएं भी मिलती हैं। अरुण बख्शी की छोटी सी म्युज़िक टीम है, उनका म्युज़िक प्रोग्रामर दिनेश रहाते है जिन्होंने इस गाने में उनका साथ दिया है।

यश बाबू का कहना है कि हमारे साहित्य में ऐसे कई पात्र एवं चरित्र है जिन्हें शायद हमारी नौजवान पीढ़ी भूल गयी है। हमारे इतिहास के गर्भ में ऐसी कई कहानियां है जो आज भी अनकही हैं, प्रासंगिक हैं।

हिन्दी फीचर फिल्म '48 कोस' द्वारा उनकी कोशिश कुरुक्षेत्र का नाम विश्व पटल पर ले जाने की है। राजिंदर वर्मा ने कहानी के संदर्भ में बताया कि बचपन से ही वह महाभारत से प्रभावित थे। 48 कोस के द्वारपाल यक्षों की कहानियां उनको बहुत आकर्षक लगती थी। इन्हीं कहानियों को वह आधुनिक रूप में दर्शकों के सामने प्रस्तुत करना चाहते थे। कहानी को अपने स्वरूप में आने में डेढ़ साल लगा।

अरुण बख्शी का कहना है कि यह फीचर फिल्म दर्शकों के दिलों को छू लेगी और सोचने पर मजबूर कर देगी। इस फिल्म में नामी कलाकार पंकज बेरी, अनिल धवन, अरुण बक्शी, सोहित सोनी, अनिल वर्मा, जागृति ठाकुर, नलिनी खत्री, योगिता पॉल के अलावा बाल कलाकार आरव वधवा, गर्वित खुराना, रीतिका राय, जय रल्हन ने

ओडिशा की यात्रा पर आज आएंगी द्रौपदी मुर्मू, सीएम नवीन पटनायक से मांगेंगी समर्थन

राष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की उम्मीदवार द्रोपदी मुर्मू आज ओडिशा आएंगी। यहां वह नवीन पटनायक से समर्थन मांगेंगी। वहीं ओडिशा सरकार ने द्रौपदी मुर्मू के यहां पहुंचने पर राजकीय अतिथि के तौर पर व्यवहार करने का फैसला किया है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने जानकारी दी कि उनकी सुरक्षा के लिए पर्याप्त उपाय किए जाएंगे, राज्य के मयूरभंज जिले की आदिवासी निवासी द्रोपदी मुर्मू को एक एस्कॉर्ट पायलट और एक निजी सुरक्षा अधिकारी प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा अधिकारी ने कहा कि उनके स्वागत, आवास, बोर्डिंग और परिवहन की विशेष व्यवस्था की जाएगी।

राष्ट्रपति उम्मीदवार मुर्मू की मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के साथ आमने-सामने की बैठक होने की संभावना है। नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ बीजद ने पहले ही ओडिशा की बेटी के लिए समर्थन का वादा किया था।

सत्तारूढ़ बीजद नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने 18 जुलाई को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए द्रौपदी मुर्मू का समर्थन करने का अनुरोध करने के लिए आदिवासी नेता और विधायक सीएस रजीन एक्का सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और विधायकों से भी मुलाकात की थी। हालांकि, एक्का ने स्पष्ट किया था कि कांग्रेस की विचारधारा भाजपा से अलग है। इस बीच, बीजद के निष्कासित सदस्य और गोपालपुर विधायक प्रदीप पाणिग्रही ने गुरुवार को द्रौपदी मुर्मू को अपना समर्थन देने की घोषणा की। मुर्मू ओडिशा की बेटी हैं और मुझे उनके लिए पूरा समर्थन है।

उद्धव ठाकरे पर मुर्मू के समर्थन का दबाव शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे पर भाजपा की राष्ट्रपति

उत्तर भारत के कई राज्यों को 12 जुलाई तक गर्मी करेगी परेशान

देश के कई हिस्सों में मानसून ने जोरदार दस्तक दे दी है। कई प्रदेशों में झमाझम बरसात से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। जबकि दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई राज्य अभी भी मानसून की बारिश का ब्रेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उत्तर भारत में पिछले दिनों हुई बारिश के बाद एक बार फिर तापमान बढ़ गया है। चिपचिपी और उमस भरी गर्मी ने लोगों के होश उड़ा रखे हैं। इसके बाद उमस भरी गर्मी से परेशान लोग बारिश की आस में एक बार फिर आसमान की ओर झांक रहे हैं कि कब बदरा बरसेंगे। हालांकि इस बीच बादलों ने भी अपना डेरा डाला, लेकिन गर्मी से कोई राहत न मिल सकी। वहीं, मौसम विभाग ने एक बार फिर उत्तर भारत में अगले 24 घंटे में तेज बारिश की संभावना व्यक्त की है। मौसम विभाग के अनुसार, कम दबाव का क्षेत्र गुजरात और आसपास के क्षेत्रों पर बना हुआ है। संबध्द चक्रवाती परिसंचरण औसत समुद्र तल से 5.8 किमी ऊपर तक फैला हुआ है और यह ऊंचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुक रहा है। मानसून की अक्षीय रेखा अब गुजरात पर बने हुए निम्न दबाव, इंदौर, पेंड्रा रोड, गोपालपुर से गुजरते हुए-पूर्व की ओर पूर्व मध्य बंगाल

ममता बनर्जी पर टिप्पणी मामले ने पकड़ा तूल, दिलीप घोष ने दी चुनौती- मुझे गिरफ्तार करके दिखाए पुलिस

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष ने पुलिस को उन्हें गिरफ्तार करने और सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यकर्ताओं को उन पर हाथ रखने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि मुझे हत्यारे और भ्रष्ट तृणमूल कांग्रेस से शालीनता और नैतिकता सीखने की जरूरत नहीं है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में दिलीप घोष टीएमसी के निशाने पर हैं। मेदिनीपुर के सांसद की ताजा टिप्पणी इस मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ से मिलने के कुछ घंटों बाद आई, जिन्होंने इस मामले को देखने का वादा किया था। पूर्व राज्य भाजपा प्रमुख घोष ने दावा किया कि उन्होंने ममता बनर्जी के खिलाफ कोई अनुचित टिप्पणी नहीं की और उनकी टिप्पणी केवल ममता के राजनीतिक अवसरवाद और असंगति के संदर्भ में थी। कट मनी संस्कृति के खिलाफ लड़ता रहूंगा

हालांकि, भाजपा नेता ने जोर देकर कहा कि वह मुख्यमंत्री के प्रतिनिधित्व वाले भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में कट मनी संस्कृति और तृणमूल कांग्रेस द्वारा अपने विरोधियों पर किए गए अत्याचारों के खिलाफ बोलना जारी रखेंगे। घोष ने कहा, मैंने पश्चिम बंगाल पुलिस को मुझे गिरफ्तार करने की चुनौती दी है। मैंने कोई कट मनी नहीं ली है, न ही मैंने किसी की हत्या की है, न किसी की संपत्ति को जलाया है या उन्हें लूटा है। मैंने अपने विचारों का विरोध करने के लिए लोगों को नहीं पीटा है। फिर भी अगर कानून लागू कराने वाले मुझे सलाखों के पीछे डालना चाहते हैं, मैं उन्हें पुलिस भेजने के लिए कहना चाहता हूं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, मैं हत्यारे टीएमसी से नैतिकता या शालीनता नहीं सीखूंगा, जिसने पिछले साल के विधानसभा चुनावों के बाद से हमारी पार्टी के नेताओं और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं की जान ली है। मैं उन भ्रष्ट लोगों से कुछ नहीं सीखूंगा जो

कोल्हापुर में पानी के टैंकर पर निकाली गई बारात, जल संकट की समस्या को उजागर करने की पहल

महाराष्ट्र के कोल्हापुर में पानी की अनियमित आपूर्ति की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए लोगों ने एक नई पहल की। बताया जा रहा है कि एक नवविवाहित जोड़े ने पानी के टैंकर पर अपनी बारात निकालने का फैसला किया। इसके साथ ही उन्होंने संकल्प लिया कि जब तक समस्या का समाधान नहीं होता, वे हनीमून पर नहीं जाएंगे।

विशाल कोलेकर (32) की गुरुवार को शादी हुई थी और इसके बाद नवविवाहित जोड़े ने अपने इलाके में पानी की समस्या को उजागर करने के लिए पानी के टैंकर पर बारात निकाली। एक निजी कंपनी में काम करने वाले विशाल कोलेकर ने कहा कि हमारे यहां प्रिंस क्लब नामक एक सामाजिक समूह है जिसके माध्यम से हम मंगलवार पेठ के कुछ क्षेत्रों में अनियमित जलापूर्ति के बारे में प्रशासन को अवगत कराते रहे हैं। हमारी तमाम दलीलों के बावजूद इस मुद्दे का समाधान नहीं किया गया है।

विशाल के मुताबिक, चूंकि क्षेत्र में पानी की आपूर्ति अनिश्चित है इसलिए लोगों को अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पानी के टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ता है। विशाल कोलेकर और उनकी पत्नी अपर्णा ने बारात के लिए कार की जगह पानी के टैंकर का इस्तेमाल किया। टैंकर पर एक बैनर लगा हुआ था, जिस पर लिखा हुआ था कि

एनआईए ने महाराष्ट्र के 13 इलाकों में की छापेमारी

एनआईए ने बुधवार को अमरावती में फार्मासिस्ट उमेश कोल्हे की हत्या के सिलसिले में महाराष्ट्र के कई स्थानों पर छापेमारी की। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पिछले हफ्ते 21 जून को अमरावती जिले में उमेश कोल्हे की हत्या का मामला एनआईए को सौंपा था। एनआईए के एक प्रवक्ता ने बताया कि एजेंसी ने बुधवार को महाराष्ट्र में 13 स्थानों पर छापेमारी की। एजेंसी के मुताबिक, आरोपियों और संदिग्धों के परिसरों की तलाशी के दौरान मोबाइल फोन, सिम कार्ड, मेमोरी कार्ड, डीवीआर जैसे डिजिटल उपकरण, चाकू और पैम्फलेट के अलावा नफरत भरे संदेश और अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज और सामग्री जब्त की गई। प्रवक्ता ने कहा कि मामले में आगे की जांच जारी है। दरअसल, भाजपा की बर्खास्त प्रवक्ता नूपुर शर्मा की पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणी का समर्थन करने के लिए कोल्हे की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। मामला शुरू में 22 जून को अमरावती के थाना शहर कोतवाली में दर्ज किया गया था। एनआईए ने दो जुलाई को फिर से मामला दर्ज कर जांच अपने हाथ में ले ली थी। पुलिस ने फार्मासिस्ट उमेश कोल्हे की हत्या के सिलसिले में बुधवार को पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के एक स्थानीय नेता से यहां पूछताछ

गोविंदा, मराठी एक्टर स्वप्निल जोशी नम्मा होम्योपैथी की सफलता के जश्न में हुए उपस्थित

होम्योपैथी चिकित्सा सेवाओं के क्षेत्र में नम्मा होम्योपैथी की उपलब्धि का जश्न मनाने और हैप्पी पेशेंट्स और हैप्पी डॉक्टरों की टीम को एक साथ लाने का आयोजन मुम्बई के द क्लब में भव्य रूप से किया गया।

इस कार्यक्रम का आयोजन नम्मा होम्योपैथी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ मोरे रघु प्रसाद द्वारा किया गया जिसमें बॉलीवुड सेलिब्रिटी गोविंदा और मराठी अभिनेता स्वप्निल जोशी विशेष रूप से उपस्थिति थे।आपको बता दें कि नम्मा होम्योपैथी कर्नाटक और महाराष्ट्र में क्लीनिकों की नंबर 1 होम्योपैथिक श्रृंखला है, जो वैश्विक स्थान पर अपने उन्नत इम्यूनोजेनिक मिआस्मैटिक 6 वीं पीढ़ी के होम्योपैथिक उपचारों के माध्यम से सर्वोत्तम स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं और उपचार प्रदान करने की दृष्टि से है। नम्मा होम्योपैथी के पूरे भारत में 21 क्लीनिक हैं और 200 से ज्यादा उच्च योग्य होम्योपैथ हैं और 80-90% सफलता दर के साथ पुरानी बीमारियों के इलाज में 2 लाख से अधिक सफलता के मामले हैं।बॉलीवुड के हीरो नम्बर वन गोविंदा ने यहां स्टेज पर मराठी और हिंदी में लगभग आधे घंटे तक बातें की। उन्होंने कहा कि मेरी मां होमियोपैथी का इलाज कराती थी। होमियोपैथी उपचार का एक ऐसा जरिया है जिसमे कोई साइड इफेक्ट नहीं होता और बीमारी को जड़ से दूर करता है।गोविंदा ने आगे कहा कि बेशक हम सबकी जिंदगी में मां बाप की बड़ी अहमियत होती है, हमें मातापिता का आदर करना चाहिए, उनके बाद हम इंसान डॉक्टर्स को ही खुद को सौंप देते हैं, आप हमें संभालो। इसलिए डॉक्टर्स की महत्ता से इनकार सम्भव नहीं है।

मैं नम्मा होम्योपैथी को शुभकामनाएं देता हूँ, डॉक्टर्स का आभार जताता हूँ, साथ ही डॉ मोरे रघु प्रसाद का भी शुक्रिया कि उन्होंने मुझे इस होमियोपैथी के कार्यक्रम में बुलाया। स्वप्निल जोशी को सिनेमा की समझ है।मराठी फिल्मों के चर्चित एक्टर स्वप्निल जोशी ने यहां कहा कि हीरो नम्बर वन एक ही है, और उस कलाकार का नाम है गोविंदा। आज उनके साथ इस कार्यक्रम का हिस्सा बनना मेरे लिए खुशी की बात है, उन्हें सुनना सीखने जैसा है। नम्मा होमियोपैथी ने हजारों नहीं

बल्कि लाखों मरीजों को सेहतमंद किया है, उनका सफल इलाज किया है और घर के एक बीमार आदमी का इलाज होने का मतलब है पूरे घर वालों को खुशी देना। डॉ मोरे रघु प्रसाद ने लाखों घरों को नई उम्मीद, नया हौसला और नई ऊर्जा दी है।गौरतलब है कि नम्मा होम्योपैथी की स्थापना वर्ष 2017 में भारत को एक रोग मुक्त देश बनाने की दृष्टि से की गई थी। नम्मा होमियोपैथी की टीम ने 5 वर्षों के अंदर अनेक असाध्य रोगों, तथाकथित असाध्य रोगों का उपचार किया है और रोगियों को सर्वोत्तम समाधान दिया है। इस कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य उन रोगियों को आमंत्रित करना था जो नम्मा होम्योपैथी से उपचार लेने के बाद ठीक हुए हैं। डॉक्टरों और नम्मा होम्योपैथी के बारे में मरीजों ने अपने विचार और अनुभव मीडिया के सामने साझा किए जिन्होंने अपने स्वास्थ्य में सबसे अच्छा सुधार प्राप्त किया है।नम्मा होम्योपैथी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ मोरे रघु प्रसाद ने इस मौके पर बॉलीवुड स्टार गोविंदा और मराठी अभिनेता स्वप्निल जोशी को विशेष रूप से धन्यवाद दिया।

SPORTS खेल जगत

भारत ने श्रीलंका को किया लीन स्वीप, हरमनप्रीत कौर बनीं प्लेयर ऑफ द सीरीज

भारत ने कप्तान हरमनप्रीत कौर (75) और पूजा वस्त्रकर (56) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से श्रीलंका को तीसरे एकदिवसीय मैच में 39 रन से हराकर श्रंखला 3-0 से अपने नाम की। भारत ने टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका के सामने 50 ओवर में 256 रन का लक्ष्य रखा, जिसके जवाब में श्रीलंका सिर्फ 216 रन पर ऑलआऊट हो गई। भारत की ओर से सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने 49 रन, यस्तिका भाटिया ने 30 रन और पूजा वस्त्रकर ने 56 रन बनाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने सर्वाधिक 75 रन की पारी खेली। 88 गेंदों की अपनी पारी में उन्होंने सात चौके और 2 छक्के लगाए।

श्रीलंका की ओर से कप्तान चमारी अटापट्टू, रश्मि डि सिल्वा और इनोका राणावीरा ने दो-दो विकेट लिए, जबकि कविशा दिलहारी, ओशदी राणासिंहे और अमा कंचना को एक-एक विकेट हासिल हुआ। भारत के 255/9 का जवाब देने उतरी श्रीलंका की ओर से कप्तान अटापट्टू ने पारी की शुरुआत करते हुए 41 गेंदों पर 8 चौकों सहित 44 रन की पारी खेली। इसके अलावा हसिनि परेरा 39 रन और निलाक्षी डि सिल्वा ने 48 रन बनाए। इनके अलावा कोई भी बल्लेबाज महत्वपूर्ण योगदान नहीं दे सका और श्रीलंका 47.3 ओवर में 216 रन पर सिमट गई। कप्तान हरमनप्रीत को उनकी 75 रन की पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। पूरी श्रंखला में ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार भी उन्हें ही दिया गया। लगातार तीसरी जीत के साथ भारत ने आईसीसी महिला चैंपियनशिप (2022-2025) चक्र में पहली सीरीज अपने नाम की। इस जीत के साथ भारत छह अंक लेकर आईसीसी महिला चैंपियनशिप की अंक तालिका में पहले स्थान पर जा पहुंचा है। वहीं लगातार दूसरी सीरीज हारने के बाद श्रीलंका एक जीत के साथ चौथे स्थान पर है।

सानिया ने मिश्रित युगल सेमीफाइनल में हार के साथ विबलडन से विदा ली

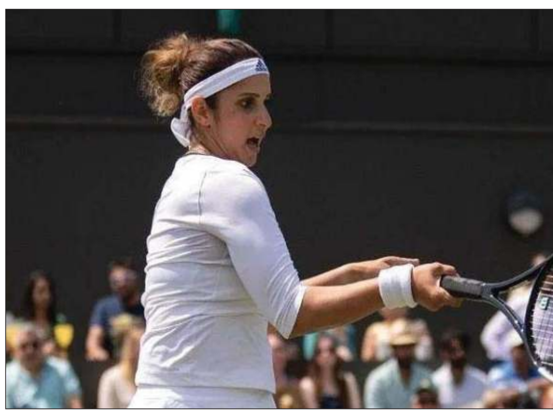

भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने मिश्रित युगल सेमीफाइनल में गत चैंपियन नील कुपस्की और डेसिरे क्रॉजिक से मिली हार के साथ विबलडन से विदा ली। सानिया और क्रोएशिया के मेट पाविच की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी को ब्रिटेन के कुपस्की और अमेरिका की डेसिरे ने 4.6, 7.5, 6.4 से हराया। 35 वर्ष की सानिया छह ग्रैंडस्लैम खिताब जीत चुकी हैं जिनमें तीन मिश्रित युगल खिताब हैं हालांकि वह विबलडन मिश्रित युगल कभी नहीं जीत सकी।

उन्होंने 2009 ऑस्ट्रेलियाई ओपन और 2012 फ्रेंच ओपन महेश भूपति के साथ और 2014 अमरीकी ओपन ब्राजील के ब्रूनो सुआरेस के साथ जीता था। सानिया ने गुरूवार को ट्वीट किया, 'हमने जितनी चुनौती पेश की और संघर्ष किया, हमने जो भी काम किया है, वह अंत में महत्वपूर्ण था। पर इस बार विबलडन में ऐसा नहीं होना था, लेकिन पिछले 20 साल में यहां खेलना और जीतना समान की बात है।' सानिया का यह टूर पर आखिरी साल है।

उन्होंने और पाविच ने पहला सेट जीतने के बाद दूसरे सेट में भी 4.2 की बढ़त बना ली थी लेकिन अगले छह में से पांच गेम हार गए। निर्णायक सेट में सानिया और पाविच ने अपने विरोधी की सर्विस तोड़ी लेकिन ज्यादा देर दबाव बनाकर नहीं रख सके। पाविच ने 12वें गेम में दो बार डबल फॉल्ट किए।

विबलडन में मिश्रित युगल में यह सानिया का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वह 2011, 2013 और 2015 में क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी। उन्होंने विबलडन में 2015 में मार्तिना हिंगिस के साथ महिला युगल खिताब जीता था। छह बार की ग्रैंडस्लैम विजेता सानिया ने इस साल के शुरू में घोषणा की थी कि वह 2022 सत्र के समापन के साथ संन्यास ले लेंगी।

राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण जीतने जा रही है आस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम : मेग लानिंग

आस्ट्रेलिया की कप्तान मेग लानिंग का कहना है कि पांच बार की टी20 विश्व कप विजेता टीम बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार शामिल हुए महिला क्रिकेट में स्वर्ण पदक जीतने के पक्के इरादे से जा रही है। राष्ट्रमंडल खेलों में 24 साल के अंतराल के बाद क्रिकेट की वापसी होगी। पहली बार महिला क्रिकेट इन खेलों का हिस्सा होगा। लानिंग ने एएपी से कहा ,'' हम वहां स्वर्ण जीतने जा रहे हैं। इसमें कोई शक नहीं है।'' आस्ट्रेलिया को पहले मैच में 29 जुलाई को भारत से खेलना है।

आस्ट्रेलिया ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तान और बारबाडोस के साथ है। लानिंग ने कहा ,'' हमने एक टीम के रूप में इस पर बात की है कि हम बेहतर प्रदर्शन कैसे कर सकते हैं। हमें पहले से अच्छा खेलना होगा।''

क्रिकेट 1998 कुआलालपुर राष्ट्रमंडल खेलों का हिस्सा था जिसमें शॉन पोलाक की अगुवाई वाली दक्षिण अफ्रीका टीम ने स्टीव वॉ की कप्तानी वाली आस्ट्रेलियाई टीम को चार विकेट से हराया था। आस्ट्रेलिया को राष्ट्रमंडल खेलों से पहले पाकिस्तान और आयरलैंड से दो दो मैच खेलने हैं।

समय बतायेगा कि एजबस्टन टेस्ट में मिली हार का या असर होता है: रोहित शर्मा

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को कहा कि समय ही बतायेगा कि एजबस्टन टेस्ट में मिली हार का दीर्घकाल में या असर रहता है। भारत ने 2007 के बाद इंग्लैंड में पहली श्रृंखला जीतने का मौका गंवा दिया और मेजबान ने टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में अपने सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करके जीत दर्ज की। रोहित ने पहले टी20 से पूर्व कहा ,'' जीत नहीं मिलना निराशाजनक है। भारत को टेस्ट श्रृंखला जीतनी चाहिये थी। समय ही बतायेगा कि इसका टी20 या वनडे श्रृंखला पर कितना असर रहता है।'' उन्होंने कहा ,'' यह प्रारूप अलग है और वह अलग था।''

रोहित कोरोना संक्रमण के कारण एजबस्टन टेस्ट नहीं खेल सके थे। कप्तान ने यह भी कहा कि हाल ही में आयरलैंड के खिलाफ टी20 क्रिकेट में पदार्पण करने वाले तेज गेंदबाज उमरान मलिक भारतीय रणनीति का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा ,'' उमरान हमारी रणनीति में शामिल है। हम फिलहाल उसे उसकी भूमिका समझा रहे हैं और यह भी कि टीम उससे या चाहती है।'' कोरोना से उबरने के बाद रोहित ने पहली बार अयास सत्र में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि टी20 श्रृंखला से यह पता चल जायेगा कि टी20 विश्व कप से पहले टीम की या स्थिति है। उन्होंने कहा ,'' इस साल के आखिर में विश्व कप होना है लिहाजा यह श्रृंखला अहम है और हर मैच महत्वपूर्ण है।

टेस्ट में सचिन तेंदुलकर का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ने में सक्षम हैं जो रूट: वसीम जाफर

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)।

इंग्लैंड ने घरेलू मैदान पर भारत को पांचवें टेस्ट में 7 विकेट से हराकर सीरीज में 2-2 से बराबरी की। इस दौरान जॉनी बेयरस्टो और जो रूट की शतकीय पारियों ने जहां फैंस का दिल जीता। वहीं भारत के इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतने के इंतजार को और लबा खींच दिया। रूट की शतकीय पारी के बाद पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर ने कहा है कि वह (रूट) टेस्ट में सचिन तेंदुलकर के रन टैली को पार कर सकते हैं।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान पांच मैचों की लंबी टेस्ट श्रृंखला में 737 रन के साथ सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। पूर्व भारतीय ओपनर वसीम जाफर का मानना ??है कि यॉर्कशायरमैन सचिन के टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड तोड़ सकता है। जाफर ने कहा कि हालांकि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अपना करियर जल्दी खत्म कर लेते हैं, लेकिन रूट अगले 5-6 साल तक मौजूदा स्तर पर खेलकर इस मुकाम तक पहुंच सकते हैं। जाफर ने कहा, वह ऐसा कर सकता है अगर वह लंबा खेलता है। वह केवल 31 वर्ष के हैं। हम सभी जानते हैं कि इंग्लिश और ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों का करियर लंबा नहीं होता है। लेकिन अगर वह 5-6 साल और खेलता है तो मुझे लगता है कि वह रिकॉर्ड तोड़ने में सक्षम है।

आईपीएल: अदालत ने इंडियन प्रीमियर लीग में नीलामी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज की

बेंगलुरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खिलाड़ियों की नीलामी को चुनौती देने वाली एक याचिका खारिज कर दी है। जनहित याचिका में दावा किया गया था कि खिलाड़ियों की नीलामी अमानवीय है और मानवाधिकारों का उल्लंघन करती है। कार्यवाहक मुय न्यायाधीश आलोक अराधे की अगुवाई वाली खंडपीठ बुधवार को वेंकटेश शेट्टी और अन्य की जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा कि आईपीएल का मौजूदा सत्र खत्म हो गया है और दिल्ली उच्च न्यायालय ने ऐसी ही एक याचिका खारिज की है तो यह जनहित याचिका सुनवाई के योग्य नहीं है।

देश परदेश

जापान के पूर्व PM आबे की हत्या:इलेक्शन कैंपेन में पूर्व सैनिक ने पीछे से गोली मारी, 6 घंटे बाद निधन; भारत में राष्ट्रीय शोक

जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की शुक्रवार सुबह गोली मारकर हत्या कर दी गई। आबे नारा शहर में इलेक्शन कैंपेन के दौरान स्पीच दे रहे थे। 42 साल के हमलावर ने पीछे से फायरिंग की। आरोपी को मौके पर गिरफ्तार कर लिया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आरोपी का नाम यामागामी तेत्सुया है और वो आबे की नीतियों से नाखुश था।

दो गोलियां लगने के फौरन बाद आबे गिर पड़े। उन्हें हेलिकॉप्टर से नारा मेडिकल यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल ले जाया गया। 6 घंटे तक मेडिकल टीम ने उन्हें बचाने की कोशिश की। बताया जा रहा है कि इलाज के दौरान आबे को दिल का दौरा भी पड़ा। घटना भारतीय समयानुसार सुबह 8 बजे (जापान के समय के मुताबिक सुबह 11.30 बजे) की है।

मोदी बोले- पूरा भारत शोक में डूबा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आबे के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मोदी ने एक ट्वीट में कहा- भारत और जापान के रिश्तों और ग्लोबल पार्टनरशिप में आबे की अहम भूमिका रही। आज पूरे भारत में शोक है। इस मुश्किल वक्त में हम पूरी ताकत के साथ अपने जापानी भाई-बहनों के साथ खड़े हैं। उन्होंने शिंजो के सम्मान में कल यानी 9 जुलाई को एक दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा भी की। आबे पर फायरिंग उस वक्त की गई, जब वे चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान फायरिंग की आवाज आई और आबे गिर पड़े। शुरुआती रिपोर्ट्स में कहा गया कि किसी ने उन्हें सीने पर गोली मारी। बाद में ये साफ हुआ कि उन पर पीछे से फायरिंग हुई।

हमलावर को गिरफ्तार किया गया

हमलावर यामागामी तेत्सुया को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से गन बरामद हुई है। ये किसी टीवी कैमरे की तरह नजर आती है। जापानी मीडिया के मुताबिक हमलावर ने हैंडमेड गन का इस्तेमाल किया। वो मेरीटाइम सेल्फ डिफेंस फोर्स का मेंबर था।

दिल का दौरा भी पड़ा

जापानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गोली लगने के बाद शिंजो को दिल का दौरा भी पड़ा। हालांकि अभी इसके बारे में आधिकारिक बयान नहीं आया है। चश्मदीदों के मुताबिक मौके पर गोली चलने की आवाज सुनाई दी और आबे के शरीर से खून बहता दिखा।

सड़क पर सभा कर रहे थे, हमले के बाद धुंआ दिखाई दिया

जापान में रविवार को उच्च सदन के चुनाव होने हैं। शिंजो इसके लिए कैंपेनिंग कर रहे थे। सड़क पर एक

US-ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी ने पहली बार एकसाथ चेताया:FBI और MI5 चीफ बोले- पश्चिम के लिए सबसे बड़ा खतरा है चीन

ताइवान पर कब्जा | उइगर मुसलमानों के मानवाधिकारों का मसला | जासूसी और सीमा विवाद

अमेरिका और ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी FBI और MI5 के चीफ्स ने चीन को लेकर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों के लिए चीन लंबे समय के लिए सबसे बड़ा खतरा है। चीन हमारी गोपनीय चीजों को लूटने की योजना बना रहा है और तकनीक की चोरी करना चाहता है। दोनों ही खुफिया प्रमुखों ने पहली बार एक साथ आकर दुनिया को चीन के बढ़ते खतरे को लेकर वॉर्निंग दी है। ब्रिटिश खुफिया एजेंसी MI5 के चीफ केन मैककालम ने कहा- हमारे जासूस साल 2018 की तुलना में चीन में 7 गुना ज्यादा इंवेस्टिगेशन कर रहे हैं। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी खुद के फायदे के लिए दूसरे देशों के डेमोक्राटिक, मीडिया और लीगल सिस्टम में रुचि रखती है।

इधर, FBI चीफ क्रिस रे ने कहा- चीन की कम्युनिस्ट पार्टी तेजी से एकाधिकार की ओर बढ़ रही है। ये हमरे लिए सबसे ज्यादा बड़ी चुनौती है। चीन हमारी टेक्नोलॉजी चुराने की कोशिश कर रहा है। हमारे बिजनेस और मार्केट पर भी कब्जा करने की मंशा रखता है।

चीन ने आरोपों को खारिज किया

बीजिंग ने आरोपों को खारिज करते हुए उन्हें पूरी तरह से निराधार बताया है। ब्रिटेन में चीनी दूतावास के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा- जिन तथाकथित मामलों को लेकर चेताया गया है वे बेबुनियाद हैं। चीन की राजनीतिक व्यवस्था को कलंकित करने के लिए वो चीन के बारे में तरह-तरह के झूठ फैला रहे हैं। वे ऐसा करके चीन विरोधी और चीनी बहिष्कार की भावना को भड़का रहे हैं। चीन से क्यों चिढ़ रही दुनिया? ये पहली बार नहीं है जब किसी देश ने चीन को लेकर चेतावनी दी हो। ऐसे कई कारण हैं जिनके चलते चीन दुनिया के लिए खतरा बना हुआ है। चाहे हॉन्गकॉन्ग का मुद्दा हो या शिनजियांग में उइगर मुसलमानों के मानवाधिकारों का मसला। या फिर

एक मच्छर काटने से पायलट की मौत:स्वेलिंग के बाद हुआ था इंफेक्शन, हर साल होती हैं 10 लाख मौत-मादा मच्छर फैलाती है बीमारी

बेल्जियम में एक ट्रेनी ईजीजेट पायलट की मच्छर काटने से मौत हो गई। जांच में पाया गया कि मच्छर काटने के बाद उसे एक तरह का इंफेक्शन हो गया था। 21 साल की ओरियाना पायलट की ट्रेनिंग के लिए बेल्जियम में थी, जब पिछले साल जुलाई में उसकी राइट आइब्रो के ऊपर का हिस्सा सूज गया था। उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गयी। अस्पताल की लापरवाही से हुई मौत जांच में अस्पताल की लापरवाही सामने आयी है। जिसमें कहा गया कि ट्रेनिंग के दौरान जब उसे एक मच्छर ने काटा और इसके आइब्रो के उपर स्वेलिंग होने लगा। तब उसे 7 जुलाई को अस्पताल ले जाया गया। वहां उसे एक एंटीबायोटिक्स देकर घर जाने को कहा गया। दो दिन बाद जब वे अपने बॉयफ्रेंड के यहां गयी थी तो अचानक बेहोश होकर गिर गयी। तब उसे फिर से अस्पताल ले जाया गया। जहां उसका इलाज चला था और तीन दिन बाद उसकी मौत हो गयी। मच्छर काटने से मौत का पहला मामला

एक वरिष्ठ अधिकारी पार्सले ने बताया कि ओरियाना की मौत माथे पर एक मच्छर के काटने से होने वाले गंभीर इंफेक्शन के कारण हुई है। ओरियाना के माता-पिता ट्रिस्टन और लुइसा से पार्सले ने बताया कि मैंने पहले कभी ऐसा मामला नहीं देखा। एक मच्छर के काटने से मौत का यह पहला केस है। अगर वह आज जिंदा होती तो उनका एक बेहतर करियर होता।

पायलट के लिए उसका ऑफिस था आसमान ओरियाना के पिता पेप्पर ने बताया कि उनकी बेटी को अपने पिता और अपने भाई ओलिवर के साथ प्लेन उड़ाना था। वह कब से उसके सपने देख रही थी। उनकी बेटी कहती थी कि बादलों के बीच उसका ऑफिस है। उसे किसी से प्यार करती थी। उसके साथ वह अपने करियर के बाद जिंदगी बसाना चाहती थी।

करियर के बाद शादी करके बसाना चाहती थी घर ओरियाना के प्रेमी जेम्स से वह एक अमेरिका के एरिजोना के फिनिक्स में एक फ्लाइट स्कूल से मिली थी, जब वह इंटर्नशिप कर रही थी। जेम्स ने बताया कि ओरियाना ने उन्हें कई बार

रश्मिका मंदाना को पहली फिल्म के लिए मिला था डेढ़ लाख का चेक

साउथ इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने हाल ही में कॉस्मेटिक प्रोडक्ट की दुनिया में बतौर बिजनेस वुमन एंट्री की है। एक्ट्रेस की मानें तो बिजनेस की दुनिया में इस वक्त उतरना उनके लिए सबसे अच्छा था, जिसे लेकर वे काफी खुश हैं। फिल्मों की बात करें तो रश्मिका जल्द ही बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने वाली हैं। 'मिशन मजनू' में वो सिद्धार्थ मल्होत्रा के अपोजिट नजर आएंगी। इस फिल्म के अलावा एक्ट्रेस रणबीर कपूर के साथ 'एनिमल' और अमिताभ बच्चन स्टारर 'गुडबाय' में भी लीड रोल में नजर आने वाली हैं। रश्मिका ने बताया कि उन्होंने एक ब्यूटी प्रोडक्ट के साथ टाई अप किया है। उन्होंने कहा, 'बिजनेस एक अलग ही दुनिया है, जो बहुत इंटरेस्टिंग है। जब इस कॉस्मेटिक ब्रांड ने मुझे एप्रोच किया, तब मैं ये जानना चाहती थी कि आखिर बिजनेस कैसे होता है। मुझे समझ आया कि ये एक अच्छा टाइम है, खुद को बतौर बिजनेस वुमन एक्सप्लोर करूं।'

बिग बॉस ओटीटी से कटा करण जौहर का पत्ता

विवादित कंटेस्टेंट्स के चलते बिग बॉस का लगभग हर एक सीजन खूब हिट रहा है। इसी के चलते इसके ओटीटी वर्जन को भी लाया गया, जिसे लोगों ने मिला-जुला रिस्पॉन्स ही दिया। बीते साल ही इस शो को वूट पर लॉन्च किया गया और इसे बॉलीवुड के जाने-माने डायरेक्टर और प्रोड्यूसर करण जौहर ने होस्ट किया। बतौर होस्ट करण जौहर ने अपनी ओर से 100 प्रतिशत देने की पूरी कोशिश की। अब इस शो के नए सीजन की सुगबुगाहट शुरू हो चुकी है। बीते दिनों ही कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि इस बार करण जौहर नहीं बल्कि हिना खान इस शो को होस्ट करेंगी। यह खबर हिना खान के फैन्स के लिए किसी सपने से कम नहीं था लेकिन अब मामला पलटता हुआ नजर आ रहा है।

आलिया भट्ट के फैन ने उनकी मां के साथ बनाया वीडियो

आलिया भट्ट अपनी मां सोनी राजदान पर पड़ी हैं। कई तस्वीरों में दोनों की मिलती हुई शल ने लोगों का ध्यान खींचा है। अब आलिया के एक फैन ने वीडियो एडिट किया है। इसमें उसने दिखाया है कि सोनी राजदान और आलिया की सूरत किस हद तक मिलती है। इस वीडियो लप को सोनी राजदान ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर

किया है और तारीफ की है। इस वीडियो में सोनी राजदान की फिल्म मंडी और आलिया की फिल्म गंगूबाई काठियाबाड़ी के सीन हैं। साथ में गंगूबाई का गाना मेरी जान बैकग्राउंड में बज रहा है। सोनी राजदान ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करके लिखा है, कहना पड़ेगा कि शानदार एडिट से मैं हैरान हूं। शुक्रिया वक्त निकालकर इसे एडिट करने का। फैन पेज ने सोनी के लिए लिखा है, मेरा दिन बन गया। शुक्रिया।

लंबे वक्त के बाद फिर बोल्ड अवतार में नजर आईं मौनी रॉय

टेलीविज़न से बॉलीवुड तक अपने हुसन के जलवे बिखेरने वाली अभिनेत्री मौनी रॉय एक बार फिर से इंटरनेट पर सुर्खियों बटोर रही हैं। दरअसल, अभिनेत्री ने मंगलवार को अपनी कुछ हॉट तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की। तस्वीरें पोस्ट होते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गयी और लोगों के दिलों में खलबली मच गयी। मौनी तस्वीरों में इतनी हॉट लग रही थीं कि उन्हें देखकर उनके फैंस के साथ सोशल मीडिया यूज़र्स के होश उड़ गए हैं।

अभिनेत्री मौनी रॉय ने अपने खुद के सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी ये दिलकश तस्वीरें शेयर की। इन्हें शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, फ्रबारिश के बाद जब सूरज निकलता हैफ्र। तस्वीरों में मौनी नीले और सफ़ेद रंग की प्रिंटेड बिकिनी पहनें कैमरे के सामने खड़ी होकर अपने हॉट फिगर का फ्रंट और साइड व्यू फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। बिकिनी में अभिनेत्री काफी सेक्सी लग रही हैं और उनका हॉट फिगर हर एंगल से जबरदस्त लग रहा है। मौनी की यह तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं और लोग उनके फिगर को देखकर आहें भरने पर मजबूर होते दिखाई दे रहे हैं। कुछ घंटों में ही लाखों लोग अभिनेत्री की इन तस्वीरों को लाइक कर चुके हैं। मौनी के फिगर की तारीफ करने के लिए लोग हॉट, सेक्सी, जबरदस्त जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

वर्क फ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री मौनी रॉय जल्द ही फिल्म ब्रह्मास्त्र में नजर आने वाली हैं। फिल्म में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, नागार्जुन, अमिताभ बच्चन जैसे बड़े सितारें भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म 9 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म मौनी टेलीविज़न के रियलिटी शो डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स के पांचवें सीज़न को जज करती नजर आ रही हैं।

साड़ी पहन दिशा पाटनी ने बढ़ाया इंटरनेट का तापमान

बॉलीवुड एट्रेस दिशा पाटनी सोशल मीडिया पर काफी एटिव रहती हैं। वह फैंस के साथ असर अपनी हॉट एंड ग्लैमरस तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। इन दिनों फिल्म 'एक विलेन रिटर्न्स' के प्रमोशन में बिजी दिशा का सिजलिंग अवतार देखने को मिल रहा है। हाल ही में दिशा ने पनी कुछ तस्वीरें शेयर ो है। इन तस्वीरों में शा ट्रेडिशनल लुक में जर आ रही हैं। साड़ी में ा दिशा की हॉटनेस में भी ोई कमी नहीं आई है। स्वीरों में वह पेस्टल क कलर की नेट की ाड़ी पहने नजर आ रही । इसके साथ उन्होंने ल्वर लर का लाउज पहना है। शा पाटनी की इस साड़ी ो डिजाइनर फाल्गुन न पिकॉक ने डिजाइन ज्या है। दिशा ने अपने क को खुले बाल, लाइट कअप के साथ ईयरिंग्स कंह्लश्वलीट किया है। शा पाटनी ाड़ी में बेहद हॉट लग रही ह। उनका ट्रेडिशनल लुक फैंस को काफी पसंद आ रही है। एक यूजर ने लिखा, 'सेसी गर्ल इन देसी स्टाइल।' दिशा पाटनी जल्द ही 'एक विलेन रिटर्न्स' में अर्जुन कपूर, जॉन अब्राहम और तारा सुतारिया के साथ नजर आने वाली हैं। इसके अलावा वह केटीना, योद्धा, किक 2 और प्रभास के साथ प्रोजेट के में दिखेंगी।

निया शर्मा कर रही हैं एक्टर राहुल सुधीर को डेट?

रिलेशनशिप की अफवाहों पर एक्ट्रेस ने तोड़ी चुप्पी

एक्ट्रेस निया शर्मा टीवी जगत की सबसे हॉट और बोल्ड एक्ट्रेसेस में से एक हैं। निया कभी अपने कपड़ों तो कभी बर्थडे केक को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। निया को उनके बेबाक अंदाज के लिए जाना जाता है। वे उन एक्ट्रेसेज में से हैं जो अपनी जिंदगी को खुलकर जीती हैं। इन दिनों निया अपने रिलेशनशिप स्टेटस के कारण चर्चा में हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान निया ने अपने रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में खुलकर बात की। निया ने सिद्धार्थ कनन के साथ बातचीत के दौरान एक्टर राहुल सुधीर के साथ अपने रिलेशनशिप को लेकर बात की।

दरअसल, कुछ समय से ऐसे रूमर्स थे कि निया शर्मा और राहुल सुधीर रिलेशनशिप में हैं। इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि, 'वह केवल मेरा एक अच्छा दोस्त है। वह भी काफी क्लोज वाला। अगर कोई चाहता है कि मैं इस टॉपिक के बारे में बात करूं तो मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं है। जो बताया है वही सच है। मैं यह दिखावा नहीं कर सकती कि मैं उसे नहीं जानती। वह मेरा दोस्त है, बहुत क्लोज दोस्त है और मैं उसे पसंद भी करती हूं।'

आपको बता दें कि निया शर्मा और राहुल सुधीर डायरेक्टर विक्रम भट्ट की वेब सीरीज ट्विस्टेड में साथ नजर आए थे। इसके बाद से ही दोनों के रिलेशनशिप के रूमर्स थे। राहुल संग अपने रिलेशन की खबरों पर चुप्पी तोड़ते हुए निया ने कहा कि, 'कोई पॉइंट नहीं है कि मैं इसके बारे में बात करूं। अगर मैं करती भी हूं तो उससे कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा लाइफ में कुछ बदल नहीं जाएगा, ना मेरी और ना ही मेरे फैंस की। क्या मैं शादी करने वाली हूं तो नह ऐसा अभी कुछ नहीं होने वाला है। कुछ और चल रहा है? तो नहीं और मैं यहां किसी को प्रूव क्यों करूं? मुझे लगता है कि राहुल सुधीर से भी यही सवाल किय जाना चाहिए उनका भी कॉमेंट सुनना चाहिए कि वह इस पर क्या कहते हैं।

ब्रिज कोर्सः द ब्यूटी ऑफ ब्रिजिंग द एजुकेशन गैप

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

उद्योग की नवीनतम अपेक्षाओं को समायोजित करने के लिए शिक्षा संस्थानों में तकनीकी कार्यक्रम गतिशील और बहुमुखी होना चाहिए। कई बार ब्रिज कोर्स पाठ्यक्रम ऐच्छिक आधारित पाठ्यक्रमों के संदर्भ में लचीलापन प्रदान करता है जो संस्थानों को अपना पाठ्यक्रम विकसित करने और वितरित करने का अवसर प्रदान करता है।

कार्यक्रम के सभी स्तरों पर ब्रिज कोर्स को एक बहुत ही प्रभावी रणनीति के रूप में पाया गया है। प्रवेश के बिंदु पर, एक ब्रिज कोर्स किसी विशेष कार्यक्रम को करने वाले छात्र के लिए आवश्यक कौशल सेट प्रदान करने में फायदेमंद होता है। ब्रिज कोर्स शिक्षा के वैश्विक परिप्रेक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए उद्योग प्रासंगिक, अभिनव रूप से डिजाइन किए गए पाठ्यक्रम के माध्यम से उद्योग अकादमिक अंतर को भरते हैं।

ब्रिज प्रोग्राम को धीमी गति से सीखने वालों को ध्यान में रखते हुए और उनके प्रदर्शन या दक्षता में सुधार के लिए एक मंच विकसित करने के लिए डिज़ाइन किया जा सकता है। इसका उद्देश्य उनके सीखने के कौशल का लाभ उठाना है। ब्रिज पाठ्यक्रम विभिन्न सीखने की क्षमताओं, शैक्षणिक मानकों और प्रदर्शन वाले विद्यार्थियों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। ये पाठ्यक्रम धीमे शिक्षार्थियों को मुख्यधारा की कक्षाओं में उनकी क्षमता के अनुसार वापस लाने में मदद करते हैं जो किसी न किसी कारण से पिछड़ गए होते। सामग्री इस प्रकार निर्मित की गई है, कि छात्रों का आत्मविश्वास प्रश्नों/परीक्षाओं का सामना करने और वृद्धिशील सीखने के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए बढ़ाता है। जैसा कि "ब्रिज कोर्स" नाम से पता चलता है, इसका उद्देश्य पूर्व-विश्वविद्यालय स्तर और व्यावसायिक शिक्षा के बीच की खाई को पाटना है।

ब्रिज कोर्स छात्रों को तकनीकी शिक्षा की यात्रा के लिए खुद को ढालने के लिए एक कठोरता दे सकता है, जिसे वे पाठ्यक्रम में आने से पहले करना चाहते हैं। कई संस्थान तकनीकी कार्यक्रमों में प्रवेश चाहने वालों के

रेलवे सुरक्षा बल ने स्वतंत्रता सेनानियों को दी श्रद्धांजलि

आरपीएफअधिकारियो ने पालघर, वलसाड और नंदुरबार में अलग अलग समारोह मे कुल 6 स्वतंत्रा सेनानियों का किया सम्मान

गणेश पाण्डेंय। मुंबई 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत पश्चिम रेलवे अपने मंडल खे अलग अलग भागो मे कई तरह के कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल के आरपीएफ अधिकारियों ने छह स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी तथा पालघर, वलसाड और नंदुरबार में एक समारोह में उनके परिवारों को सम्मानित किया।देश की आजादी के 75 वर्ष के उपलक्ष्य में देश भर में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। इस शुभ अवसर को मनाने के लिए, पश्चिम रेलवे के आरपीएफ ने मोटरसाइकिल रैली, कर्मचारियों और उनके परिवारों द्वारा रन फॉर यूनिटी , वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता अभियान के साथ-साथ स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित करने आदि जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया है।

इस कार्यक्रम के भाग के रूप में पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल के आरपीएफ ने पालघर, वलसाड और नंदुरबार में आयोजित विभिन्न समारोहों में छह स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया। मुंबई मंडल के आरपीएफ ने छह स्वतंत्रता सेनानियों को उनके परिवार के सदस्यों को सम्मानित कर श्रद्धांजलि दी. यह कार्यक्रम 2 जुलाई को पालघर में 4 जुलाई को वलसाड में और 6 जुलाई को नंदुरबार में आरपीएफ द्वारा आयोजित किया गया । यह कार्यक्रम शैक्षिक संस्थानों में आयोजित किए गए, और इन स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को प्रबंधन, प्रिंसिपल, शिक्षकों, छात्रों के साथ-साथ एनसीसी कैडेटों और एनएसएस गाइडों की उपस्थिति में वरिष्ठ आरपीएफ अधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया। मुंबई सेंट्रल मंडल के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री विनीत खरब ने पालघर में आयोजित एक समारोह में दिवंगत स्वतंत्रता सेनानी दत्तात्रेय हरिभाऊ पवार की पत्नी दमयंती दत्तात्रेय पवार,दिवंगत स्वतंत्रता सेनानी आत्माराम हरि सावे के पोते अंकुर दीपक सावे और दिवंगत स्वतंत्रता सेनानी कडूभाई गोकुलदास शाह के पुत्र नरेश कदुभाई शाह को सम्मानित किया। मुंबई सेंट्रल मंडल के मंडल सुरक्षा आयुक्त मुहम्मद हनीफ ने वलसाड के एक स्कूल में दिवंगत स्वतंत्रता सेनानी शंकरभाई पंड्या के पोते श्री सत्यन पंड्या और उनकी परपोतियों को सम्मानित किया । हनीफ ने नंदुरबार के एक सरकारी कॉलेज में दिवंगत स्वतंत्रता सेनानी जनार्दन विस्पुते की पत्नी प्रभावती जनार्दन विस्पुते के साथ उनके पोते और दिवंगत स्वतंत्रता सेनानी

मजदूरों के बच्चों के लिए 'मेरी पाठशाला' स्कूल का उद्घाटन

रेल महिला कल्याण संगठन द्वारा टेंडर मजदूरो के बच्चो के लिए स्कुल

गणेश पाण्डेंय। मुंबई
मध्य रेलवे की अध्यक्षा,मीनू लोहाटी ने मध्य रेल महिला कल्याण संगठन (CRWWO) ठेका मजदूरों के बच्चों के लिए"मेरी पाठशाला' स्कूल का उद्घाटन किया और वाड़ी बंदर में 40 बच्चों को किताबें, कलम और पेंसिल वितरित किए गये। मीनू लाहोटी ने ठेका मजदूरों के स्कूली बच्चों से बातचीत की और उन्हें अपने भविष्य के लिए बेहतर पढ़ाई करने की सलाह दी।जून 2022 के महीने में, मध्य रेल महिला कल्याण संगठन (RWWCO) ने भी जरूरतमंद महिला ठेका मजदूरों को पर्यावरण के अनुकूल, सैनिटरी नैपकिन मुफ्त में वितरित किए थे। यह महिलाओं की व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए रेलवे बोर्ड द्वारा शुरू किए गए "दस्तक" का हिस्सा था। इस अवसर पर नीति सिंह, उपाध्यक्ष, मध्य रेल महिला कल्याण संगठन, तनुजा पंकज, महासचिव, दिव्या शर्मा कोषाध्यक्ष और मध्य रेल महिला कल्याण संगठन के अन्य सदस्य भी इस

प्रतिबंधितप्लास्टिक बिक्रेता पर मनपा द्वारा कार्यवाही

भाईदंर। संवाददातामनपा स्वास्थ्य विभाग ने प्लास्टिक के इस्तेमाल के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई शुरू करते हुए 8 जुलाई को मीरा भायंदर मनपा क्षेत्र में प्लास्टिक के उपयोग के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की गई। उपायुक्त (लोक स्वास्थ्य) रवि पवार और लोक स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने प्लास्टिक बैग और "सिंगल यूज प्लास्टिक" बेचने वाले विक्रेताओं पर नकेल कसी और कुल मिलाकर लगभग 70 किलोग्राम प्लास्टिक जब्त किया। 50,000/- की वसूली की गई है। महाराष्ट्र सरकार के पर्यावरण विभाग के निर्णय के अनुसार अब महाराष्ट्र राज्य में डिस्पोजेबल प्लास्टिक (सिंगल

हाईकोर्ट पहुंची कंगना रनोट

बठिंडा में मानहानि केस के खिलाफपिटीशन; बुजुर्ग को 100 रुपए लेकर धरने में जाने वाली औरत कहा था

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनोट पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट पहुंच गई हैं। कंगना को बठिंडा की कोर्ट ने मानहानि केस में सम्मन किया था। जिसमें उन्हें पेश होने को कहा गया था। इसी केस में राहत पाने वह HC आई हैं। इस केस की अगली सुनवाई 11 जुलाई को होगी। कंगना ने बठिंडा के गांव बहादुरगढ़ जंडिया की रहने वाली 87 वर्षीय महिला किसान महिंदर कौर को 100-100 रुपए लेकर धरने में शामिल होने वाली औरत कहते हुए ट्वीट किया था। जिसके खिलाफ महिला ने कोर्ट में केस दायर कर दिया था।

13 महीने चली थी सुनवाई

बुजुर्ग किसान महिला महिंदर कौर ने कंगना के ट्वीट के बाद 4 जनवरी 2021 को कोर्ट में केस दायर किया था। जिसकी करीब 13 महीने सुनवाई चली। जिसके बाद बठिंडा की कोर्ट ने कंगना को सम्मन जारी करते हुए कोर्ट में पेश होने को कहा था।

कंगना ने मोहिंदर कौर को बिलकिस बानो समझा

कंगना रनोट ने किसान आंदोलन में शामिल बुजुर्ग महिला किसान मोहिंदर कौर को बिलकिस बानो समझ लिया था। बिलकिस शाहीन बाग में एंटी CAA प्रोटेस्ट का चेहरा रहीं।

मोहिंदर कौर ने याचिका में कहा कि कंगना ने उनकी तुलना किसी दूसरी महिला से की। उन्होंने कहा कि कंगना के ट्वीट से उन्हें मानसिक परेशानी हुई। परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों, पड़ोसियों, ग्रामीणों और आम लोगों के बीच उनकी छवि को

चीन और भारत की सैन्य वार्ता करीब चार महीने से ठप, बिना बातचीत के टकराव का सबसे लंबा दौर

पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर भारत और चीन के बीच तीन साल से गतिरोध कायम है। दोनों देशों की सेनाओं ने वहां मोर्चेबंदी कर रखी है। इलाके से सेना की वापसी और शांति बनाए रखने के लिए अब तक दोनों देशों के बीच 15 बार सैन्य कमांडर स्तर की वार्ता हो चुकी है। चिंताजनक बात यह है कि इस बार चर्चा का अंतराल लंबा हो गया है।

भारतीय सेना और चीन की पीएलए के बीच 11 मार्च को 15 वें दौर की वार्ता हुई थी। उसके बाद से करीब 4

माह बीत चुके हैं, वार्ता का कोई नया दौर नहीं हुआ। गुरुवार को विदेश मंत्री जयशंकर और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच मुलाकात हुई थी। इसमें जयशंकर ने सीमा विवाद समेत सभी बकाया मसले बातचीत से हल करने पर जोर दिया। यी ने भी इस पर सहमति जताई है। जयशंकर ने चीन में पढ़ रहे भारतीय छात्रों की वापसी और हवाई उड़ानों का भी मुद्दा ली के समक्ष उठाया था। जयशंकर व चीनी विदेश मंत्री यी ने इस बात से भी सहमति जताई कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर टकराव के बिंदुओं का परस्पर स्वीकार्य समाधान निकालना आवश्यक है। इस गतिरोध से जुड़े सूत्रों के अनुसार जयशंकर ने यी से सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बहाल करने के लिए सैनिकों की वापसी का काम पूरा करने के लिए दबाव डाला। जारी रहेगी दोनों देशों में बातचीत मसले से जुड़े सूत्रों के अनुसार दोनों देशों के बीच वार्ता टूटी नहीं है और यह जारी रहेगी। 16 वें दौर की वार्ता पर अभी फैसला नहीं हुआ है, लेकिन पिछले अंतराल की तुलना में इस बार थोड़ा ज्यादा देर हो गई है। एलएसी पर गतिरोध के चलते भारत चीन रिश्तों पर भी असर पड़ रहा है। इस मई 2022 में गतिरोध को तीन साल हो गए। विवाद का पूर्ण समाधान नहीं निकल पाया है। हालांकि कुछ सीमा क्षेत्रों से दोनों देशों की सेनाओं की वापसी हुई है। दोनों देशों के बीच जून 2020 से लेकर अब तक 15 दौर की सैन्य वार्ता हो चुकी है। 2020 में आठ दौर की बातचीत हुई थी। इसके बाद 2021

मनपा आयुक्त ने जलजमाव क्षेत्रों का किया औचक निरीक्षण

संवाददाता। भाईदंर
मौसम विभाग द्वारा ठाणे मनपा को 8 जुलाई, 2022 को रेड अलर्ट घोषित किया, इसी को देखते हुए मीरा भायंदर मनपा आयुक्त दिलीप ढोले ने आवश्यक उपाय करने के लिए शहर के निचले इलाकों का दौरा किया. निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त संभाजी पानपट्टे,उपायुक्त (लोक स्वास्थ्य)रवि पवार,मनपा अभियंता दीपक खम्बित, कार्यकारी अधिशासी अभियंता शरद नानेगांवकर, अभियंता नितिन मुकने, सहायक आयुक्त चंद्रकांत बोरसे, प्रभाकर म्हात्रे, योगेश गुनिजान, सहायक आयुक्त सचिन बछव, कनिष्ठ इंजीनियर,सफाई निरीक्षक और मनपा के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।आयुक्त ने हाटकेश चौक,वेस्टर्न होटल,काशीमीरा फ्लाईओवर, सांघवी नगर,जांगिड़ कॉम्प्लेक्स, बालाजी होटल का दौरा किया. आयुक्त ने सफाई निरीक्षकों को निर्देश दिया कि नालों या नाले में जमा होने वाले कचरे को नियमित रूप से जनशक्ति का उपयोग करके बनाए गए गड्ढों से जमा पानी को निकालने के लिए हटाया जाए. आयुक्त ने शहर की सभी सड़कों के गड्ढों को युद्ध स्तर पर तत्काल भरने के निर्देश दिए ताकि शहर के गड्ढों का खामियाजा नागरिकों को भुगतना पड़े। नाले और सड़कों पर लगे खुले या टूटे हुए ढक्कनों को तत्काल ठीक कराने के निर्देश दिए गए. सफाई निरीक्षकों को निर्देश दिया गया है कि वे सड़क के किनारे से मलबा उठायें. निचले इलाकों में जहां जलजमाव और पंपों की पुनरावृत्ति की संभावना है, वहां नियमित निरीक्षण किया जाना चाहिए और यदि आवश्यक हो तो पंपों की

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।